• वर्ष-3
• अंक-211
रायपुर, रविवार
14 अप्रैल 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› अगर आप पूरा दिन खामोश रहें ....

डायनासोर की तरह कांग्रेस पार्टी देश से लुप्त हो जाएगीः सिंह

रायपुर/गीदम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से परास्त होगी। यहां की जनता ने कांग्रेस पार्टी को समय दिया था 5 वर्षों का, लेकिन कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के लिए कोई काम नहीं किया। हर छत्तीसगढ़िया की आवाज है- फिर एक बार, मोदी सरकार। सिंह ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी की हालत देश में ऐसी हो गई है, जैसे देश और दुनिया से डायनासोर लुप्त हो गया। वैसे ही कांग्रेस पार्टी देश से लुप्त हो जाएगी। कांग्रेस की हालत बिग बॉस शो की तरह हो गई है। कांग्रेस आज बिग बॉस का घर बन गई है। कांग्रेस में सब एक-दूसरे के कपड़े फाड़ रहे हैं। हजारों की संख्या में कांग्रेस पार्टी छोड़कर लोग भाजपा में आ रहे हैं। रक्षा मंत्री सिंह ने शनिवार को बस्तर लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की विजय संकल्प रैली के तहत दंतेवाड़ा जिले के गीदम में आहूत एक महती जनसभा के संबोधित करते हुए कहा कि इन दिनों में जहाँ-

पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को लूटती रहीः किरण सिंह देव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को लूटती रही और भ्रष्टाचार करती रही। इन 5 साल के बाद प्रदेश की जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा करते हुए प्रदेश से कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंका है। देव ने कहा कि जबसे लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई है, तबसे हम लगातार पूरे छत्तीसगढ़ में लोगों के बीच में जा रहे हैं। हर जगह कार्यकर्ताओं के साथ-साथ मतदाताओं में भी भारी उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सबका विश्वास बढ़ा है।

अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर मोदी के हाथ मजबूत करना हैः महेश

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता भी लोकसभा का चुनाव जीतकर लोकतंत्र के मंदिर में प्रवेश कर सकता है, यह अवसर केवल भाजपा ही अपने कार्यकर्ताओं को देती है। लगभग साढ़े तीन महीने पहले जब यहाँ विधानसभा चुनाव हुआ तब जनता का विश्वास और प्यार भाजपा को मिला और विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्रित्व में भाजपा की सरकार बनी।

जहाँ जा रहा हूँ, सब जगह यह बात सामने आ रही है कि कुछ महीने पहले विधानसभा का चुनाव हुआ और अप्रैल में फिर चुनाव हो रहा है। इसलिए विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव एक साथ हो ताकि जनता का समय और पैसा बचेगा। श्री सिंह ने कहा कि जब-जब कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई है, भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ा है। कांग्रेस की सरकार जहाँ आती है वहां घोटाले की बाढ़ आ जाती है। छत्तीसगढ़ की जनता ने भी अपनी आँखों से देख लिया। छत्तीसगढ़ में एक बार कांग्रेस की सरकार बनी, घोटालों की भरमार हो गई। यहां गौठान घोटाला, गोबर घोटाला तक हो गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का विकास कितनी तेजी के साथ होता है, यह आगे आप सब देखेंगे। सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य जब बना था और पहली बार जब यहाँ विधानसभा चुनाव हुआ, उस समय पार्टी का प्रभारी बनकर मैं यहां आया था।

कांग्रेस संविधान बचाने लड़ रहीःराहुल

रायपुर। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि आपके सामने चुनाव है दो विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी इंडिया एलांयस लोकतंत्र संविधान को बचाने के लिये लड़ रहे है। दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी, अडानी, आरएसएस, संविधान पर लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे है। संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे है। मोदी जी ने आदिवासी शब्द को बदलने की कोशिश की है। हम आपको आदिवासी कहते है, बीजेपी के लोग आपको वनवासी कहते है। वनवासी में और आदिवासी में आसमान का फर्क है।आदिवासी का मतलब वो वर्ग जो इस जमीन का जल, जंगल, जमीन का पहला और असली मालिक है। जब हिंदुस्तान में जब कोई और नहीं था तब यहां आदिवासी लोग रहते थे। जो लोग आपको आदिवासी कहते है वो लोग इस बात को मानते है कि हिंदुस्तान के जल, जंगल और जमीन पर आपका पहला हक बनता है। जो आदिवासी कहते है वो आपके धर्म आपकी भाषाओं आपके जीने का तरीका आपका इतिहास का आदर करते है उसकी रक्षा करते है। दूसरी तरफ जो आपको

वनवासी कहते है वो आपको हिन्दुस्तान के हकदार नहीं मानते। उनका कहना है आप जंगल के आदिवासी हो जहां जंगल है वहां आप हो। आपको जंगल में रहना चाहिए आपको अधिकार नहीं मिलने चाहिये आपको जल, जंगल, जमीन पर अधिकार नहीं है। हम आपके लिये पेसा कानून लाये, ट्राइबल बिल लाये, मनरेगा बिल लाये, जमीन अधिग्रहण बिल लाये आपके जो हक है जो आपकी जमीन है वो हम आपको वापस देते है। आरएसएस और भाजपा के लोग धर्म पर, आपके विचारधारा पर, आपके आशाओं पर, आपके धर्म पर, आपके भाषाओं पर, आपके इतिहास पर आक्रमण करते है। हिंदुस्तान में जंगल कम होता जा रहा है। बीजेपी के लोग अडानी जी जैसे अरबपतियों को जंगल की जमीन दिये जा रहे है। एक दिन ऐसा आयेगा हिंदुस्तान में जंगल नहीं होगा।

भाजपा और आरएसएस के लोग आपसे कहेंगे आप वनवासी हो, अब तो वन नहीं है, जंगल नहीं है आप तो कहीं के नहीं हो ये सोच है उनकी। ये चाहते है कि आपके बच्चे कॉलेज, यूनिर्वसिटी में न जाये। ये चाहते है कि आपके बच्चे हिन्दुस्तान की बड़ी-बड़ी कंपनियों में काम न करें। हम चाहते है हिन्दुस्तान में आपको भागीदारी मिले। आपके बच्चों को कॉलेज, यूनिवर्सिटी में शिक्षा मिले। नरेंद्र मोदी हर भाषण में अलग-अलग चीजें कहते है। कभी समुद्र के नीचे घुस जाते है। कभी कहते है थाली बजाओं, ऑक्सीजन नहीं है। अस्पताल के सामने लाशों का ढेर पड़ा है। प्रधानमंत्री कहते है थाली बजाओ। थाली से काम नहीं हुआ तो मोबाईल फोन की लाईट जलाओ। हर प्रदेश से गरीब लोग घर वापसी लौटे, दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र से छत्तीसगढ़ वापस आये। दिल्ली की सरकार ने किसी की मदद नहीं की। पूरा का पूरा फायदा अडानी, अंबानी को देते है। हिन्दूस्तान में 22 लोग है जिनके पास इतना धन है जितना 70 करोड़ हिन्दुस्तानी लोगों के पास है। नरेंद्र मोदी 24 घंटा 22-25 लोगों की मदद करते है। हिन्दुस्तान में सबसे बड़े मुद्दे है बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी। मोदी जी को कभी हवाई जहाज में उड़ते हुये, कभी समुद्र के नीचे जाते हुये, कभी मंदिर में पूजा करते हुये दिखेंगे।

राष्ट्रपति आदिवासी है आप राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं जा सकते है। राष्ट्रपति को मना किया क्योंकि वो आदिवासी है।

हम पांच काम करने जा रहे है- सबसे पहला काम बेरोजगारी 30 लाख सरकारी वेकेंसी है हमारी सरकार बनते ही हम भर्तियां करेंगे। दूसरी बात हिन्दुस्तान में जो भी शिक्षित युवा है उन सब को अप्रेंटिसशिप का अधिकार दिया जायेगा।

गद्दे में सोने वाले भ्रष्ट कांग्रेसी अब सो रहे हैं जेल की जमीन परः साय

रायपुर/मरवाही/जनकपुर। कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत अण्डी और जनकपुर में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए विष्णु देव साय ने कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। महादेव एप को निर्बाध रूप से चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा है, एफआईआर भी हुआ है। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात है। साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया। पी एस सी घोटाले की जांच सी बी आई को सौंपा और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। हर महीने के पहले सप्ताह को किश्त की राशि दे दी जाएगी, ये भरोसा मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दिलाया।

श्री साय ने श्री रामलला दर्शन योजना की याद दिलाते हुए जनता से कहा कि उनकी सरकार राम भक्तों को भांचा राम से मिलाने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों से 5500 रुपया प्रति मानक बोरा के दर से तेंदूपत्ता खरीदेगी।

भारतीय राजनीति में 'नोब' कौन? मोदी बोले- अगर में चुनावी सभा में बोल दूंगा तो..., खूब लगे ठहाके

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने विरोधियों में से एक को 'नोब' के रूप में संदर्भित करते हुए विपक्ष पर कटाक्ष किया यह शब्द गेमिंग शब्दावली में किसी ऐसे व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो नौसिखिया है या खेल में बहुत कुशल नहीं है। कई गेमर्स के साथ बातचीत के दौरान, जिसका एक वीडियो प्रधानमंत्री ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर साझा किया, गेमर्स ने ग्राइंड और 'नोब' जैसी कुछ गेमिंग शब्दावली का उल्लेख किया। 'नोब' शब्द सुनकर पीएम मोदी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और

विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर मैं चुनाव के दौरान इस शब्द का इस्तेमाल करूंगा तो लोगों को आश्चर्य होगा कि मैं किसकी बात कर रहा हूं। अगर मैं यह कहूं तो आप इसे किसी व्यक्ति विशेष के लिए मान लेंगे।इसके अलावा, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने के लिए सबसे पुरानी पार्टी पर कटाक्ष किया और कहा कि कांग्रेस नेता की प्रतिक्रिया इस बात की पुष्टि करती है कि वास्तव में राजनीति में 'नोब' कौन है। उन्होंने एक्स पर कहा, नोब में पीएम नरेंद्र मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कांग्रेस नेता प्रतिक्रिया क्यों दे रहे हैं और पुष्टि कर रहे हैं कि राजनीति का नोब कौन है।

प्रमुख समाचार

अमित शाह जी आगमन से छत्तीसगढ़ वासियों में हर्ष

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा है कि प्रदेश के सभी संसदीय क्षेत्रों में भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की महती जनसभाओं के बाद रविवार 14 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के खैरागढ़ स्थित राजा फतेहसिंह मैदान पर जनसभा को संबोधित करने पहुंच रहे हैं जिसमें केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करके शाह भाजपा के पक्ष में हुँकार भरेंगे और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की सभा के बाद पार्टी के केंद्रीय नेताओं की सभाएँ होंगीं। देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की योजनाओं व कार्यक्रमों तथा भाजपा की विचारधारा व रीति-नीति से प्रभावित होकर हजारों की संख्या में कांग्रेस, जनता कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के बड़े दिग्गजों सहित सामाजिक कार्यकताओं ने भाजपा में प्रवेश करके इस बात पर भी मुहर लगा दी है कि तीन महीने की अल्प अवधि में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा की प्रदेश

बार-बार फेल हो रही राहुल बाबा की लॉन्चिंगः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अलवर की जनसभा में कहा कि दस साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असंभव दिखने वाले कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी के पास दस साल का रिकॉर्ड है और 25 साल की प्लानिंग है, इसलिए मोदी जी को चुनना है। उन्होंने कहा कि मैं इस वीरभूमि की माताओं से, वीरांगनाओं से मैं कहने आया हूं कि कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। आपने 2014 में जब मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाया, तब उन्होंने वन रैंक वन पेंशन का वादा पूरा कर देश के जवानों और उनके परिवारों का सम्मान किया। शाह ने कहा कि बीते 10 वर्ष में मोदी जी ने असंभव दिख रहे कार्यों को पूरा किया है। 10 साल का मोदी जी के पास रिकॉर्ड है और आने वाले 25 वर्षों की प्लानिंग है। इसलिए इस बार के चुनाव में मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी यहां आकर कहते हैं कि कश्मीर से राजस्थान के लोगों को क्या लेना-देना है।

पाक में तोड़ा गया ऐतिहासिक हिंदू मंदिर तोड़ा गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को गिरा दिया गया है, उस स्थान पर पहले से ही एक वाणिज्यिक परिसर का निर्माण कार्य चल रहा है।

खैबर मंदिर के नाम से जाना जाने वाला, सीमावर्ती शहर लंडी कोटल बाज़ार में यह पवित्र स्थल 1947 से बंद था, जब इसके मूल निवासी भारत चले गए थे। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के एक प्रमुख आदिवासी पत्रकार द्वारा इसके अस्तित्व के दावों के बावजूद, विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों ने या तो मंदिर के बारे में जानकारी से इनकार किया है या दावा किया है कि निर्माण नियमों का पालन कर रहा था। अपने पूर्वजों द्वारा बताई गई कहानियों को याद करते हुए, पत्रकार इब्राहिम शिनवारी ने मंदिर की उपस्थिति की पुष्टि की और इसके निधन पर शोक व्यक्त किया।पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के हारून सरबदियाल ने जोर देकर कहा कि गैर-मुसलमानों के लिए धार्मिक महत्व की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा और पुनर्वास सुनिश्चित करना जिला प्रशासन और संबंधित सरकारी विभागों की जिम्मेदारी है।

मंडी से कंगना के खिलाफ विक्रमादित्य को टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए 16 और उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। सूची में चंडीगढ़ लोकसभा सीट के अलावा, गुजरात की चार, हिमाचल प्रदेश की दो और ओडिशा की नौ लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों का एलान किया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने गुजराज की पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। सूची में पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी को चंडीगढ़ संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। यहां पिछली बार पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल को टिकट दिया गया था। हालांकि, उन्हें भाजपा उम्मीदवार किरण खेर के हाथों 49 हजार से ज्यादा वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, पार्टी ने हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह को टिकट दिया है। विक्रमादित्य सिंह कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह के बेटे हैं।

आम आदमी पार्टी सबसे बेईमान पार्टी - अनुराग ठाकुर

पांढुर्णा (मध्य प्रदेश) । केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) को सबसे बेईमान पार्टी करार दिया। उन्होंने साथ ही दावा किया कि कांग्रेस आसन्न लोकसभा चुनाव 'अबकी बार, 40 पार' के लिए लड़ रही है जबकि भाजपा 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ठाकुर ने दावा किया कि मध्य प्रदेश के पांढुर्णा जिले में कहा कि पिछले दस वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के शानदार प्रदर्शन के कारण कांग्रेस नेता बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल हो रहे हैं। पांढुर्णा जिला छिंदवाड़ा लोकसभा सीट का हिस्सा है। मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीट के लिए 19 अप्रैल से 13 मई के बीच चार चरणों में मतदान होगा और मतों की गिनती चार जून को होगी। छिंदवाड़ा में पहले चरण में मतदान होगा। आम आदमी पार्टी (आप)के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का दुरुपयोग कर रही है, केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अगर कोई पूरी तरह से बेईमान व्यक्ति है तो वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं। सच तो यह है कि आप सबसे बेईमान राजनीतिक पार्टी है। यह झूठ बोलने में सबसे आगे है।''

दक्षिण में द्रविड़ पार्टियों से निराशा के बीच नया दल आजमाने की चाह

आर. राजगोपालन

तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम बड़े नेताओं के साथ भाजपा वहां धुआंधार प्रचार कर रही है, जबकि द्रमुक और कांग्रेस पूरी तरह से एमके स्टालिन और राहुल गांधी पर निर्भर हैं। तीन धड़ों में बंट चुकी अन्नाद्रमुक ने भी अपने स्थानीय नेताओं को राज्य के दौरे में व्यस्त रखा है। एडाप्पडी पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक के स्टार प्रचारक हैं।

द्रविड़ पार्टियों को हिंदू समर्थक भाजपा से कठिन चुनौती मिल रही है। पहली बार राज्य में 70 वर्षों से बारी-बारी शासन में रहे द्रमुक और अन्नाद्रमुक, दोनों द्रविड़ दलों को भाजपा और सिने अभिनेता विजय द्वारा हाल ही में गठित सीमन नाम तमीझर काची पार्टी से खतरा महसूस हो रहा है। तमिलनाडु में एक ऐसा वर्ग उभरा है, जो मोदी के तीसरे कार्यकाल के पक्ष में है।

तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के भाषण और घोषणापत्रों से यही संकेत मिलता है कि पार्टियां 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों पर लोकसभा चुनावों की तुलना में ज्यादा जोर दे रही हैं। तमिलनाडु की ये राज्य और जिला स्तरीय पार्टियां चाहती हैं कि नरेंद्र मोदी का शासन बिल्कुल खत्म होना चाहिए। राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना प्रवासी पक्षियों से की है, जो चुनावी मौसम में तमिलनाडु आते हैं।

पिछले 10 वर्षों में राजग सरकार तमिलनाडु के मछुआरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। राजग सरकार तमिलनाडु के पांच मछुआरों की जान बचाकर उन्हें भारत लाई, जिन्हें श्रीलंका की अदालत ने मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। यदि नेताओं के भाषणों का विश्लेषण किया जाए, तो उससे कुछ अनुमान लगाए जा सकते हैं। एक, यदि द्रमुक सभी 39 सीटें जीत जाती है, तो यह सुनिश्चित हो जाएगा कि उसके लिए 2026 का मार्ग सुरक्षित है और गठबंधन कायम रहेगा।

दूसरा, यदि अन्नाद्रमुक 8-10 सीटें जीत जाती है और भाजपा गठबंधन पांच से आठ सीटें जीत जाता है, तो यह द्रमुक के खिलाफ सत्ता विरोधी रुझान को दर्शाएगा। ऐसे में स्टालिन के सामने अपनी पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती पैदा होगी। जाहिर है, द्रमुक को तोड़ने के लिए केंद्रीय एजेंसियां भी सक्रिय हो जाएंगी।

तीसरा, यदि केंद्र में तीसरी बार भाजपा सरकार बना लेती है, तो निश्चित रूप से भाजपा द्रमुक को खत्म करने के लिए वैसा ही अभियान चलाएगी, जैसा झारखंड मुक्ति मोर्चा और आप के खिलाफ चलाया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने स्टालिन सरकार को रेत माफिया, ड्रग माफिया और तुष्टीकरण का एजेंट बताया है।

मतदाता दोनों द्रविड़ पार्टियों से निराश हैं-चाहे द्रमुक हो या अन्नाद्रमुक। वे अब एक वैकल्पिक पार्टी को आजमाना चाहते हैं। राज्य और जिला स्तरीय दलों का बढ़ना इस बात का संकेत है कि मतदाताओं में सिनेमा संस्कृति के प्रति निराशा बढ़ रही है और दक्षिण समर्थक भावनाओं का विकास हो रहा है। ऐसे में हैरानी नहीं कि लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी करेंगे। इसके लिए तमिलनाडु में बुनियादी संरचनाओं के निर्माण और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाएंगे। नशे के कारोबार और खनन माफिया पर अंकुश लगाने के साथ वह विदेशी निवेशकों को भी इसके लिए आकर्षित कर सकते हैं। एक विदेशी कंपनी सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में दक्षिणी राज्यों में निवेश करना चाहती थी, लेकिन सामाजिक अशांति और कानून-व्यवस्था की समस्या के कारण अचानक उसे पश्चिमी राज्यों का रुख करना पड़ा।

इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि विदेशी शक्तियां, खासकर चीन और पाकिस्तान दक्षिणी राज्यों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रही हैं। चीन ने कोलंबो में अपना खुफिया पोत तैनात किया था, लेकिन द्रमुक के 38 सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद में हुई बहस में हिस्सा नहीं लिया। भाजपा के प्रदेश प्रमुख के अन्नामलाई ने द्रमुक सांसदों के रुख पर सवाल उठाया है। एमके स्टालिन ने अपने पिता करुणानिधि की मृत्यु के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट रखा है। उधर पलानीस्वामी ने भी कार्यकर्ताओं को अपने साथ जोड़कर अपना अधिकार बरकरार रखा है। मगर अन्नाद्रमुक लोकसभा चुनाव को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं है, वह 2026 के चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही है। मगर द्रमुक के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। द्रमुक जानती है कि अगर भाजपा केंद्र की सत्ता में हैट्रिक लगाती है, तो राष्ट्रीय राजनीति में उसकी कोई प्रासंगिकता नहीं रहेगी। इसलिए 2026 के चुनावों में सत्ता पर दावेदारी के लिए द्रमुक ज्यादा लोकसभा सीटें जीतना चाहती है।

1 सेक्शन कमाण्डर के साथ 5 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना जगरगुण्डा से जिला बल एवं कैम्प टेकलगुड़ा से 201 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सल गस्त सर्चिंग हेतु ग्राम टेकलगुड़ा व पूवर्ती की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम टेकलगुड़ा व पूवर्ती के मध्य जंगल से 5 नक्सलियों माड़वी हुंगा पिता माडवी कोसा (जन मिलिशिया सेक्शन कमाण्डर), माड़वी मासा पिता माड़वी जोगा, मड़कम हुंगा पिता मड़कम रामा, नुप्पो रामू पिता नुप्पो आयतु तथा माड़वी भीमा पिता माड़वी नंदा (जन मिलिशिया सदस्य) सभी निवासी टेकलगुडा थाना जगरगुण्डा को गिरफ्तार किया गया है।

थाना जगरगुण्डा में नक्सल रिकार्ड की जांच करने पर सभी टेकलगुड़ा कैम्प निर्माण के दौरान सुरक्षा बलों पर फायरिंग करने की वारदात में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल होना पाया गया। जिसके संबंध में थाना जगरगुण्डा में पूर्व से अपराध क्रमांक 05/2024 धारा 147, 148, 149, 307, 34 भादवि. 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है। उक्त प्रकरण में कार्यवाही करते हुए सभी नक्सली आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

नक्सलियों द्वारा लगाये गये प्रेशर आईईडी से ग्रामीण की हुई मौत

बीजापुर। थाना मिरतुर क्षेत्रान्तर्गत डुमरीपालनार से हिरोली के मध्य बन रहे नये सड़क पर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा लगाये गये प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर निर्दोष ग्रामीण मुन्ना भारती पिता श्याम भारती उम्र 40 वर्ष निवासी छोटे देवड़ा थाना बकावंड जिला बस्तर की मौके पर ही मौत हो गई है। प्रेशर आईईडी के विस्फोट से ग्रामीण के दोनो पैर के चीथड़े उड़ गये। थाना मिरतुर में मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

धमतरी में पुलिस नक्सली मुठभेड़ एकावरी जंगल में सर्चिंग जारी

धमतरी। जिले में लंबे समय बाद एक बार फिर नक्सली सुगबुगाहट देखने को मिली। शुक्रवार रात से खल्लारी थाना इलाके के जंगलों में पुलिस सर्चिंग अभियान में लगी हुई थी। इसी दौरान धमतरी जिले के ओडिशा बॉर्डर जंगल में नक्सलियों और पुलिस जवानों के बीच मुठभेड़ हुई।आपको बता दें कि काफी समय से पुलिस को इस एरिया में नक्सल मूवमेंट की जानकारी मिल रही थी।जिसके बाद पुलिस ने सीआरपीएफ और डीआरजी की टीम बनाकर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में अब भी पुलिस इलाके में सर्चिंग कर रही है। थाना बोराई क्षेत्र के एकावरी जंगल में पुलिस और नक्सलियों का आमना सामना हुआ। मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। जिस पर एसटीएफ, गरियाबंद डीआरजी, धमतरी डीआरजी और सीआरपीएफ 211 बटालियन की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान के तहत निकली थी। सर्चिंग अभियान के दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नजर पुलिस सर्चिंग अभियान लगातार जारी है। नक्सलियों की सुगबुगाहट मिलने पर पुलिस अब अलर्ट मोड पर है।पुलिस की ओर से फिलहाल मुठभेड़ की हालत में नुकसान की खबर निकलकर सामने नहीं आई है। एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

कांग्रेस का भाजपा पर जनता को छलने का आरोप

■ कवर्धा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने किया बड़ा दावा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीटों में राजनांदगांव सीट हाईप्रोफाइल सीट है, क्योंकि इस सीट पर भाजपा से आरएसएस में अच्छी पकड़ रखने वाले संतोष पाण्डेय को पार्टी ने दोबारा मौका दिया है। वहीं, कांग्रेस ने इस सीट पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल को चुनावी मैदान में उतारा है। ऐसे में साफ है कि इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प होगा। एक ओर बीजेपी प्रत्याशी संतोष पाण्डेय दिग्गज नेताओं में एक। तो वहीं, दूसरी ओर पूर्व सीएम भूपेश बघेल के साथ उनका मुकाबला, ऐसे में हर किसी की निगाहें इस सीट पर टिकी हुई है।

इस बीच मीडिया ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष होरी राम साहू से बातचीत कर कांग्रेस की तैयारियों के बारे में जानने की कोशिश की। बातचीत के दौरान होरी राम ने कहा कि, भाजपा छत्तीसगढ़ में झूठे वादे कर विधानसभा चुनाव तो जीत गई, लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता भाजपा की सरकार बनाकर पछता रही है। भाजपा के झूठे वादे का बदला जनता लोकसभा चुनाव लेगी। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कबीरधाम जिला में भूपेश बघेल को जनता का समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी जहां भी जाते हैं, वहां कार्यक्रम में हजारों की भीड़ भूपेश बघेल से मिलने और सुनने पहुंचते हैं।

आगे होरी राम साहू ने कहा कि, भाजपा ने छत्तीसगढ़ की जनता को धान बोनस, उज्जवल

योजना, महतारी वंदन योजना के नाम पर झूठ बोला है। बीजेपी झूठ बोलकर सत्ता में आई है, लेकिन जनता को इन किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला। जनता जान चुकी है कि भाजपा झूठी पार्टी है। जनता को लुभाने के लिए कोई भी घोषणा कर देते हैं। वहीं, सत्ता में आते ही ये अपने वादे भूल गए। भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में महिला, गरीब, मजदूर समेत सभी वर्ग के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर काम किया गया। भाजपा की सरकार जैसे ही आई, किसानों का जेब फिर से खाली हो गए, इसलिए जनता समझ चुकी है और भाजपा के बहकावे में नहीं आएगी। कांग्रेस छत्तीसगढ़ के 11 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले हर एक सियासी दल के नेता एक दूसरे पर छोटे-बड़े मुद्दे को लेकर प्रहार कर रहे हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता होरी राम साहू ने छत्तीसगढ़ में बीजेपी को हराकर 11 सीटों पर जीत दर्ज करने का दावा किया है।

दीवारों पर नारा लेखन कर ग्रामीण मतदाताओं को किया जागरूक

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के निर्देशन में ग्रामीण मतदाताओं को जागरूक करने हेतु जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में दीवारों पर नारा लेखन के माध्यम से मतदान के महत्ता की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को शत-प्रतिशत मतदान हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत पाली के ग्राम पंचायत चैनपुर, माखनपुर व सिरकीखुर्द में स्वसहायता समूह की महिलाओं के द्वारा गांव के पारा-मोहल्ला, बसाहटों में जाकर दीवारों पर मतदाता जागरूकता के नारों का लेखन किया गया। साथ ही ग्रामीणों को मताधिकार का महत्व समझाते हुए 07 मई को अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की जा रही है।

इसी तरह कमला नेहरू महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने रैली निकाल कर दीवारों पर नारा लेखन कर ग्रामीणों को मतदान तिथि की जानकारी प्रदान की। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय रासेयो प्रकोष्ठ के कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में रासेयो स्वयंसेवकों ने जिला संगठक वाय के तिवारी के नेतृत्व में ग्राम भादा में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी

मतदाता जागरूकता गीत मैं भारत हूं भारत है मुझमें का गान करते हुए गांव में रैली निकालकर ग्रामवासियों से संपर्क किया तथा दीवारों पर मतदाता जागरूकता के नारों का लेखन किया। स्वयंसेवकों ने घरों में जाकर मतदाताओं को एक-एक वोट का महत्व समझाते हुए मतदान तिथि 7 मई 2024 की जानकारी देकर मतदान केदो में जाकर वोट डालने की अपील की। कार्यक्रम के आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी जी एम उपाध्याय, श्रीमती प्रीति द्विवेदी वरिष्ठ स्वयंसेवक आंचल यादव, किशन यादव, आशीष यादव, धीरज यादव उदय दास, आरुषि महंत, शेखर यादव, समीर महंत फिरत राम यादव, धूम दास बहोरन दास महंत आदि का सक्रिय योगदान रहा।

गांव में सड़क के अभाव में नहीं हो पा रहा युवक-युवतियों का रिश्ता

ग्रामीणों ने फ्लैक्स चस्पा कर किया चुनाव का बहिष्कार

कवर्धा। सड़क नहीं होने के कारण गांव के युवक और युवतियों के विवाह में बाधा आ रही है। पक्की सड़क के अभाव में गांव के लड़के-लड़कियों का रिश्ता टूट जाता है। कोई भी इस गांव में बच्चों का वैवाहिक संबंध नहीं जोड़ना चाहता। देश को आजाद हुए आज 77 वर्ष हो गए और अमृत महोत्सव भी मनाया जा रहा है लेकिन कबीरधाम जिले के एक गांव पावली में आवागमन के लिए कोई साधन नहीं है। लोग कच्चे रास्ते में चलने को मजबूर हैं। पावली, जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर ग्राम बंधी पंचायत का आश्रित गांव है। पावली में 500 सौ से अधिक मतदाता है। यहां सड़क नही होने के कारण से युवक और युवतियों के विवाह में परेशानी होती है। ऐसे में बुजुर्ग माता-पिता को बच्चों की शादी की चिंता सता रही है।

इसके कारण से यहां के ग्रामीणों ने गांव में फ्लैक्स चस्पा कर, रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा दिया है। इसके अलावा गांव में नेताओं के घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल चुनाव के दौरान नेता ग्रामीणों को सपने दिखाकर वोट मांगने आते हैं और जीतने के बाद पीछे पलट कर भी नहीं देखते। इस कारण पावली गांव विकास की बाट जोह रहा है। आज से तीन दिन पहले ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी समस्या बताई थी। गांव में सड़क नही होने पर चुनाव में बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी। इसके बावजूद जिला मुख्यालय से अधिकारी गांव पहुंचना मुनासिब नहीं समझा। इसके कारण गांव के लोगों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने ऐलान कर दिया है।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदान के लिए लोगों को किया गया जागरूक

आरंग। स्वीप के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर पूरे रायपुर जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरंग ने एक बार फिर मतदाता जागरूकता का बड़ा संदेश दिया है। आरंग में 4 किलोमीटर तक मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया गया। इस आयोजन में रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह सहित कई अधिकारी रायपुर से बाइक रैली के माध्यम से मंदिर हसौद, लखौली, रसनी होते हुए आरंग पहुंचे। खास बात यह रही कि इस रैली में कलेक्टर गौरव सिंह की दोनों बेटियां भी उनकी साथ रही। आरंग के रसनी टोल प्लाजा के पास सैकड़ों की संख्या में बाइक सवार रायपुर से रैली के आने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही रैली आरंग पहुंची वैसे ही मानव श्रृंखला में शामिल लोगों ने ताली बजाकर सभी का स्वागत किया। इस दौरान सभी ने मतदान जागरूकता के नारे भी लगाए। रैली में लोकसभा पर्यवेक्षक आस्थानंद पाठक, रणविजय, संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी निलेश क्षीरसागर, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, एडीएम देवेंद्र पटेल भी शामिल हुए। इस दौरान रायपुर कलेक्टर और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गौरव कुमार सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित किया। वहीं पर्यवेक्षक आस्थानंद पाठक ने मतदान की शपथ दिलाई। इसके बाद अधिकारियों ने मतदान जागरूकता का संदेश देने वाले गुब्बारों को आसमान में छोड़ा। अधिकारियों ने मानव श्रृंखला में शामिल होकर मतदाताओं से मुलाकात की और मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम के बाद कलेक्टर सहित सभी पदाधिकारी बाइक रैली के माध्यम से अभनपुर के लिए रवाना हो गए।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कवर्धा में चलती बस में आग सवार थे 30 से ज्यादा बच्चे

कवर्धा। बच्चों को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के रिहर्सल कराने लेकर जा रही स्कूल बस में आग लग गई। जिस समय ये हादसा हुआ उस समय बस में 30 से ज्यादा बच्चे सवार थे। नगर के मेन रोड में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बच्चों से भरी निजी स्कूल की चलती बस से अचानक धुआं निकलने लगा। बस के इंजन से धुंआ देखने के बाद ड्राइवर ने बीच सड़क पर बस को रोक दिया। कंडक्टर की मदद से जल्द से जल्द सभी बच्चों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला। फायर वाटर एक्साटिंग्विशर की मदद से आग को काबू किया। फायरबिग्रेड भी तत्काल मौके पर पहुंच गई, और आग को काबू कर लिया गया। फिर बच्चों को दूसरी बस से ले जाया गया। शहर के प्राइवेट अशोक पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम होने वाला है। इसके लिए बच्चों को पीजी कॉलेज ग्राउंड स्थित ऑडोटोरियम में रिहर्सल के लिए ले जाया जा रहा था। घटना के वक्त बस में ड्राइवर, कंडक्टर के अलावा लगभग 30 बच्चे सवार थे। बस जैसे ही मां भुवनेश्वरी टॉकीज के पास पहुंची बस के इंजन से जोरदार धुंआ निकालने लगा।

बच्चों से भरी स्कूल वैन हादसे का शिकार, पांच बच्चे घायल

कोरबा। कोरबा जिले में हादसों का दौर लगातार जारी है। एक बार फिर से सड़क हादसे में स्कूली बच्चे घायल गए। स्कूली वैन में सात बच्चे सवार थे जहां इस हादसे में पांच बच्चे घायल हो गए। वहीं दो बच्चों को मामूली चोटे आई हैं इस हादसे के बाद हड़कप मच गया और देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा राह है कि सेंट थॉमस पब्लिक स्कूल दीपका में सुबह स्कूल लगने के बाद लगभग 11:00 बजे छुट्टी होने के बाद वापस बच्चों को छोड़ने प्रगति नगर जा रही थी इस दौरान प्रगति नगर स्नेह मिलन क्लब के पास मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे बिजली खंबे में स्कूल जा टकराई। घटना के बाद मची हड़कप बच्चे चीखपुकार मचाने लगे इसके बाद राहगीर ने घायल बच्चों को वैन से बाहर निकाला और अस्पताल के लिए लेकर रवाना हुए। जहां बच्चों को दीपिका स्थित स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इस घटना की सूचना जैसे ही बच्चों को परिजनों की मिली वह पहले घटना स्थल पहुंचे।

पांचवें दिन मां बमलेश्वरी को भेंट किया गया सोने का मुकुट

राजनांदगांव। राजनांदगांव में विराजमान विश्व प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी मंदिर में चैत्र नवरात्रि में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बीच चैत्र नवरात्र के पांचवें दिन शनिवार को मां को 400 ग्राम वजन का सोने का मुकुट पहनाया गया है। दरअसल, शनिवार को पंचमी के मौके पर माता का विशेष श्रृंगार किया गया इस दौरान मां को सोने का मुकुट पहनाया गया। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में विश्व प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी देवी का मंदिर है। यहां माता के दर्शन के लिए देश-विदेश से लोग डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र पर विशेष मेले का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही लाखों की संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। नवरात्रि के पंचमी के दिन मां बम्लेश्वरी को सोने का मुकुट पहनाकर खास श्रृंगार किया गया। बताया जा रहा है कि ये मुकुट गुप्त दान के रूप में मिला है, जिसे आज मां को पहनाया गया। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में विराजमान मां बम्लेश्वरी का मंदिर देश-विदेश में अपनी खास पहचान रखता है।

युवाओं ने शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की

राजनांदगांव। मतदाता जागरूकता स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में युवाओं ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में विशाल आकर्षक रंगोली एवं दीप जलाकर शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की। जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने आरोहण बीपीओ सेंटर टेड़ेसरा के युवाओं द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देश पर जिले में स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता के लिए व्यापक तौर पर कार्य किए जा रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने युवाओं को लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई।

कोयला खदान में दबने से 2 नाबालिगों की मौत

अंबिकापुर। उदयपुर के ग्राम सानीबर्रा सुखरी भंडार जंगल स्थित अवैध कोयला खदान में अवैध रुप से दो नाबालिक और एक युवक कोयला निकाल रहे थे कि उसके धसने से 2 नाबालिगों की दबकर मौत हो गई। वन विभाग व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और खदान में दबे दोनों शवों को उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। शनिवार की सुबह उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुखरी भंडार से लगे जंगल में अवैध कोयला खदान में दबने से 2 नाबालिगों की मौत हो गई। मृतकों का नाम बुधलाल 15 वर्ष व तिरंगा 16 वर्ष बताया जा रही है। बताया जा रहा है कि तीनों बंद हो चुकी बोदाढोढ़ा की कोयला खदान से अवैध तरीके से कोयला निकालने सुबह गए थे। खदान की खुदाई के दौरान प्यास लगने पर एक युवक पानी पीने बाहर निकल गया। जबकि बुधलाल व तिरंगा भीतर घुसकर खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान तेज आवाज के साथ अचानक खदान का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया और उसमें दबकर दोनों की मौत हो गई।

बारनवापारा अभयारण्य में बाघ दिखने से वन विभाग के साथ ही ग्रामीण भी खुश

बलौदा बाजार भाटापारा। बारनवापारा अभयारण्य में सालों बाद बाघ दिखने से एक तरफ वन विभाग खुश हैं तो ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। बाघ के साथ ही गांव वालों की सुरक्षा को लेकर पूरे जिले के बारनवापारा से लगे सात गांवों में धारा 144 लागू कर दी गई है।

मंगलवार को बारनवापारा अभयारण्य के आस पास के सात गांव रवान, मोहदा, कौआबाहरा, मुरुमडीह, छतालडबरा, गजराडीह और दलदली गांव में धारा 144 लागू कर दी गई है। इन सात गावों में लाउडस्पीकर पर भी रोक है। आम लोगों की भी गांव में आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। बाघ के इन गांवों के आसपास घूमने की पुष्टि के बाद यह कदम उठाया गया है।

7 मार्च को बाघ को पहली बार गांव के टीचर कांशीराम पटेल ने बारनवापारा

अभ्यारण सिरपुर रोड में देखा था। उन्होंने उसका वीडियो भी बनाया और वन विभाग को इसके बारे में बताया। जिसके बाद से लगातार वन अमला बाघ की सुरक्षा को लेकर अलर्ट है। ग्रामीणों को वन विभाग की अनुमति के बगैर जंगलों में जाने पर रोक लगाई गई है। इस बीच ग्रामीणों ने 8 मार्च को एक बार फिर बाघ दिखने की जानकारी दी है। अमलोर, सुकुलबाय में मवेशियों का शिकार होना पाया गया और 12 मार्च को बाघ के पंजे के निशान मिले। 14 मार्च को बलौदाबाजार वनमण्डल के परिक्षेत्र बल्दाकछार के कर्मचारी ने बाघ को प्रत्यक्ष देखा और पुष्टि की।

बाघ पर निगरानी रखने के लिए 3 ट्रैकिंग टीमें बनाई गई है। वनमण्डल बलौदाबाजार, वनमण्डल महासमुन्द, वन विकास निगम गठित कर नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी रायपुर और वसुंधरा सोसाइटी फार कंजर्वेशन आफ नेचर के सहयोग से बाघ पर नजर रखी जा रही है। रात में पेट्रोलिंग कर क्षेत्र को नियंत्रण करने का प्रयास वन विभाग कर रहा है।

डीएफओ मयंक अग्रवाल ने कहा बारनवापारा अभयारण्य के आसपास के जिन गांवों में सुरक्षा के दृष्टि से धारा 144 लगाया गया है उसका लोग पालन करें। क्योंकि लापरवाही करने से बड़ी दुर्घटना घट सकती है और जन हानि भी हो सकती है। बाहरी लोगों का जंगल में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंध है। बाघ को लेकर वाइल्ड लाइफ प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षा के इंतजाम किए हुए है। लोगों से अपील है कि वे हमारा सहयोग करें और जंगल में जाने से बचें।

इलाके में बाघ दिखने से वन अमला उत्साहित है तो आसपास के गांव वालों की चिंता बढ़ गई हैं। गांव के चरवाहे का कहना है कि बाघ दिखने के बाद जंगल आने जाने में रोक लगा दी गई है। डर तो हैं लेकिन खुशी भी हैं। जंगल हमार घर हैं। जंगल के सभी जंगली जानवर हमर परिवार हैं, बाघ तो माँ दुर्गा के सवारी आए है तो तुरतुरिया दाई माता के दर्शन के लिए आया होगा।

कलेक्टर के एल चौहान का कहना हैं कि जिन गांवों में धारा 144 लगा है वहा पर चुनाव प्रचार और मतदान में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि उन सात गांवों को डीएफओ के आग्रह पर सुरक्षा के दृष्टि कोण से प्रतिबंध किया गया है।

आरटीओ के चेकिंग अभियान से बस मालिकों में हड़कंप

■ कुम्हारी में हुए हादसे के बाद नींद से जागा विभाग

कोरबा। रायपुर के कुम्हारी में हुई गंभीर दुर्घटना से सबक लेते हुए कोरबा आरटीओ के द्वारा शुक्रवार को दूसरे दिन भी जिले के विभिन्न चौक चौराहा में बसों का आकस्मिक निरीक्षण अभियान जारी रहा। इस दौरान 30 बसों की जांच की गई जिसमें सभी बसों की फिटनेस परमिट एवं अन्य दस्तावेज खंगाले गए। कार्यवाही के दौरान तीन बसों में दस्तावेजी कमी पाए जाने पर न केवल प्रति बस 5 हजार जुर्माना के हिसाब से 15 हजार वाहन चेकिंग के दौरान उपस्थित अधिकारी कर्मचरी जुर्माना वसूला गया बल्कि उनकी जब्ती भी बनाई गई। जिसमें दो बस दीपका थाना में एवं एक बस आरटीओ परिसर में खड़ी करवा दी गई है।

इसके अलावा शहर के नगर निगम बालको मुख्य मार्ग, दर्री मुख्य मार्ग के अलावा अन्य जगहों पर निजी कंपनी में चलने वाली बसों की जांच की गई वहां में मेडिकल किट, फायर किट के अलावा

इमरजेंसी गेट है कि नहीं इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए जांच की गई इसके अलावा बस चल रहे चालकों के फिटनेस के बारे में भी जानकारी दी गई।

कोरबा डीटीओ विवके सिन्हा सहित जांच अभियान में शामिल सभी अधिकारी कर्मचारी ने कहा है कि यह जांच अभियान सतत रूप से जारी रहेगा एवं जो भी छोटे-बड़े वाहनों में कोई दस्तावेजी कमी पाई जाती है उन पर नियमानुसार कार्यवाही भी जारी रहेगी। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा है कि समस्त वाहन मालिकों को अपने वाहन का दस्तावेज हर हाल में अपडेट रखना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बीए, एलएलबी में छात्रों के खराब प्रदर्शन पर एनएसयूआइ ने खोला मोर्चा

रायपुर। रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की ओर से संचालित पांच वर्षीय बीए. एलएलबी कोर्स के भाग तीन और पांच विषम सेमेस्टर में निराशाजनक परिणाम आया है। परिणाम को लेकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की आशंका जताते हुए छत्तीसगढ़ एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन का घेराव कर आंदोलन किया। एनएसयूआई ने कार्यकर्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जारी परिणाम में बीए.एलएलबी भाग तीन और पांच के विषम सेमेस्टर का परिणाम 36.26 और 41.72% है, जबकि अन्य भाग का परिणाम 65% से ऊपर है। इसे एक महीने पहले जारी किया गया था। वहीं भाग तीन और पांच का विषम सेमेस्टर का परिणाम कुछ ही दिन पहले जारी किया है, देरी से जारी होने साथ-साथ अतिनिराशाजनक परिणाम जारी किया गया है। साथ ही विषम सेमेस्टर में 171 विद्यार्थियों में 109 और 163 विद्यार्थियों में 95 विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम एटीकेटी है। छात्र-छात्राओं का कहना है कि जारी रिजल्ट का एक बार फिर मूल्यांकन की सुविधा दी जाए। उत्तर पुस्तिकाओं का पुन: मूल्यांकन राज्य के अन्य विश्वविद्यालय के प्रशिक्षित प्राध्यापकों की ओर से निष्पक्ष रूप से करने की मांग किया गया है। इसे लेकर छात्र और एनएसयूआई ने प्रदेश सचिव भक्तेश्वर वैष्णव के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया।

आरोपी को छुड़वाने ग्रामीणों ने थाने में किया हंगामा, छूटते ही पुलिस को धमकी

रायपुर। पूरा मामला रायपुर के मुजगहन थाना के अंदर का है। आसकरण नामक बदमाश को अवैध शराब बिक्री और सट्टा खेलाने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के समर्थन में ग्रामीण ने पुलिस के हिरासत से उसे छुड़वाने के लिए थाना पहुंच गए। वहां ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने हंगामा, तो किया साथ ही थाना में तोड़फोड़ भी की। इतना ही नहीं थाना से आरोपी के छूटने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को देख लेने की धमकी भी दी है। वहीं दूसरे आरोपी छोटू बंजारे और उसके अन्य साथी को छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंचे हुए थे। मामले की गंभीरता को समझते हुए मुजगहन थाना में ग्रामीण एएसपी कीर्तन राठौर, सीएसपी, आरआई, टीआई और अतिरिक्त बल मौजूद रहे। ग्रामीण एएसपी कीर्तन राठौर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र में लगातार शराब बिक्री का मामला सामने आ रहा था। इस पर थाना पुलिस कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बिक्री के मामले में आरोपी छोटू बंजारे और उसके अन्य और साथी को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद आरोपियों के परिजन थाने आए हुए थे, जिन्हें समझाइश देकर वापस भेजा गया।

वरिष्ठ कांग्रेसी और उप सरपंच बन्दन सिंह ने किया भाजपा प्रवेश

नगरी। नगरी विकासखंड के ग्राम चारगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी और उप सरपंच बन्दनसिंह मरकाम ने भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर शुक्रवार को भाजपा प्रवेश किया। दिनेश्वरी नेताम जनपद अध्यक्ष एवं शक्ति केन्द्र प्रभारी ने भाजपा टोपी और गमछा पहनाकर स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ से यूपी-बिहार के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेनें

रायपुर। यात्रियों की सुविधा के लिए दुर्ग-छपरा के मध्य गाड़ियों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक समर स्पेशल ट्रेन दुर्ग-छपरा-दुर्ग के मध्य तीन फेरे के लिए चलाई जाएगी। यह गाड़ी दुर्ग से 08795 नंम्बर के साथ और छपरा से 08796 नम्बर के साथ चलेगी। गाड़ी नंबर 08795 दुर्ग-छपरा समर स्पेशल दुर्ग से 15, 22 और 29 अप्रैल सोमवार और गाड़ी संख्या 08796 छपरा-दुर्ग समर स्पेशल छपरा से 16, 23 और 30 अप्रैल मंगलवार को छुटेगी। इस स्पेशल ट्रेन में दो एसएलआर और एसएलआरडी, दो सामान्य, 14 स्लीपर, तीन एसी-III, एक एसी -II समेत कुल 22 कोच रहेगी। दूसरी ओर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की विशेष पहल की गई है। दुर्ग-पटना-दुर्ग के मध्य ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलेगी। ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये दुर्ग-पटना-दुर्ग के मध्य तीन फेरों के लिए ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी।

केदार कश्यप का राहुल गांधी पर तीखा प्रहार

राहुल बताएं, आदिवासी नेता बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा के हत्यारों को संरक्षण क्यों दे रहे है

रायपुर। भाजपा सरकार में वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप ने राहुल गांधी पर बड़ा पलटवार करते हुए उनसे कई सवाल पूछे हैं केदार कश्यप ने कहा कि पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति चुनने का मौक़ा आया तो कांग्रेसियों ने

जी जान लगा दी उसका विरोध करने में। यहाँ तक कि छत्तीसगढ़ के आदिवासियों के वोट से बने विधायकों को भी मजबूर किया कि महामहिम मूर्मू के खिलाफ वोट दें।

आदिवासियों के विरुद्ध साजिश कर जब कांग्रेस श्रीमती मुर्मु को हरा नहीं पायी तो इनके नेता बौखलाहट में माननीया राष्ट्रपति को 'राष्ट्रपत्नी' कह कर मजाक उड़ाने लगे।

श्री कश्यप ने कहा कि जब राज्यसभा भेजने की बारी आयी तो सारी सीटों को बेच डाला। छत्तीसगढ़ के किसी आदिवासी या दलित या पिछड़े वर्ग के नेता को वहाँ भेजने की जहमत नहीं उठायी। अब घड़ियाली आसूँ बहा रहे। छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के शासन में लगभग 40 हज़ार आदिवासी बच्चे इलाज के अभाव में मर गये, तब जुबान को क्या हो गया था राहुल के? पचास वर्षों तक आदिवासी-दलितों-पिछड़ों का हक़ नहीं दिया। छत्तीसगढ़ को लूटते रहे।

भाजपा ने राज्य बनाया आदिवासी बहुलता के कारण और पहला आदिवासी मुख्यमंत्री भी भाजपा ने हो दिया। छत्तीसगढ़ शासन में वरिष्ठ मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राहुल गांधी रोज मूर्खता का नया अध्याय रच रहे हैं। इन्हें इतना भी नहीं मालूम कि समाचार संस्थानों में नियुक्ति सरकार नहीं करती है। देश इनके पिता के जमाने से काफी आगे निकल गया है, जब दूरदर्शन को 'राजीव दर्शन' कहा जाता था। कोरोना के समय बक़ायदा पत्र लिख कर इनकी मां सोनिया गांधी ने कहा था कि मीडिया को विज्ञापन रोक देने से कोरोना समाप्त हो जायेगा। श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को मीडिया विज्ञापन का पैसा भी केवल नेशनल हेराल्ड के लिये चाहिए।

श्री कश्यप ने कहा राहुल गांधी आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं। मोदी सरकार ने 4 लाख करोड़ से ज्यादा डूबा हुआ पैसा वसूल कर गरीबों को उनका हक दिया है। मनमोहन सरकार के दूसरे कार्यकाल में बहुत से गलत लोगो को तब की कांग्रेस सरकार के मंत्रियों के फोन द्वारा बैंको से लोन देने दबाव डाला जाता था गलत लोगों को नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पैसा दिया गया उसमे से भी कई लाख करोड़ मोदी सरकार ने वसूल कर दिखाए है। राहुल गांधी का दुष्प्रचार काम नही आयेगा। अच्छा होता वो छत्तीसगढ़ आकर आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगो से माफी मांगते क्योंकि आदिवासियों का उन्होंने हक मारा है, विरोध किया है और पिछड़े वर्ग को गाली दी है।

पूर्व में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे चंद्रशेखर शुक्ला ने राहुल को घेरा

पत्र लिखकर पूछा सवाल झीरम के संदिग्ध कवासी को प्रत्याशी क्यो बनाया

भूपेश बघेल जेब से सबूत क्यो नही निकालते

रायपुर। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए पूर्व में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे चंद्रशेखर शुक्ला ने राहुल गांधी को एक पत्र लिखकर कहा है कि छत्तीसगढ़ की पावन धरा में आपका स्वागत है। काँग्रेस का पूर्व कार्यकर्ता होने के नाते कुछ प्रश्न जो सदैव मुझे परेशान करते रहे आपसे करना चाहता हूँ, आपेक्षा, आगृह है आप जवाब देंगे।

01. जिस कवासी लखमा को पूरा छत्तीसगढ़ और पूरा काँग्रेस झीरम घाटी नरसंहार का संदिग्ध मानता है तथा जिसे तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत ने भी 2013 में संदिग्ध ठहराया था को आपने क्या क्लीन चिट देकर लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है?
02. क्या झीरम के शहीदों को आप शहीद नहीं मानते हैं या सिर्फ शहीद सिर्फ वही हैं जो आपके परिवार से हैं, आपने इनको न्याय दिलाने के लिये

संसद में कितनी बार मांग/प्रयास किया है?

3. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिन सबूतों को जेब में डाल के रखे हुये हैं वह सबूत कब बाहर आयेंगे? अब तो आपकी सरकार भी चली गई भूपेश बघेल किसे बचाना चाहते हैं।

मेरा यह मानना है झीरम घाटी का नरसंहार काँग्रेस के नेताओं की आपसी खूनी रंजिश की परीणिती है जिसमें शहीद विद्या भैय्या, शहीद नंद कुमार पटेल, शहीद महेन्द्र कर्मा जी और शहीद उदय मुदलियार सहित 31 अन्य काँग्रेस कार्यकर्ताओं को शहादत देनी पड़ी थी।

मेरा शहीद उदय मुदलियार के परिवार से भी आग्रह है कि राजनांदगांव चुनाव के प्रत्याशी भूपेष बघेल जी को सबूत को सार्वजनिक करने का आग्रह करें।

मोदी सरकार ने देश के युवा और मजदूरों के हक़ छीनें

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार को युवा विरोधी और श्रमिक विरोधी होने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि एक तरफ जहां केंद्र सरकार के विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत लगभग 30 लाख पद रिक्त हैं, वहीं वर्तमान मोदी राज में देश में बेरोजगारी ऐतिहासिक रूप से शिखर पर है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकारों के समय केंद्रीय विभागों में भर्ती के लिए एसएससी, बैंकिंग, रेलवे सहित तमाम भर्ती परीक्षाएं हर 3 महीने में आयोजित होती थीं.

भाजपा का कांग्रेस के खिलाफ कार्टून वार

मोदी के खिलाफ दिए विवादित बयानों पर पार्टी को घेरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव और नेताओं के दौरे को लेकर कांग्रेस-बीजेपी दोनों के बीच लगातार कार्टून वार जारी है। भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस के खिलाफ पोस्टर वार जारी किया है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए भड़काऊ और विवादित बयान को लेकर कांग्रेस को घेरा है।

छत्तीसगढ़ भाजपा ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर कार्टून जारी कर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और बस्तर लोकसभा प्रत्याशी कवासी लखमा को दिखाया गया है। इस पर कार्टून पर भाजपा बोगस मोहब्बत की दुकान, बोल रही अभद्रता की ज़ुबान कहते हुए दिखाया है।

बता दें कि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और प्रत्याशी कवासी लखमा ने पीएम मोदी

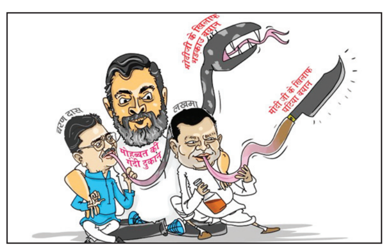

के खिलाफ भड़काऊ और विवादित बयान दिए थे। इन बयानों को लेकर भाजपा लगातार कांग्रेस को घेरने की कोशिश कर रही है। साथ ही मोदी के खिलाफ बयान देने के बाद भाजपा नेताओं ने महंत के निवास घेराव किया था। मामला बढ़ने के बाद महंत ने बयान पर सफाई भी दिए थे। वहीं कवासी लखमा के खिलाफ भाजपा ने भड़काऊ बयान को लेकर चुनाव आयोग में शिकायत की है। साथ ही थानों में भी एफआईआर की है।

बृजमोहन-मूणत की युवाओं के साथ चाय पर चर्चा

- **गुढ़ियारी से विधायक ने की अभियान की शुरुआत**

रायपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां एक्टिव मोड में आ चुकी हैं। छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने विजय पताका फहराने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में रायपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल को रिकॉर्ड मतों से जीत दिलाने का संकल्प लेकर रायपुर लोकसभा कस्टर प्रभारी और रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने मोर्चा संभाल लिया है।

शनिवार को रायपुर के गुढ़ियारी स्थित पहाड़ी चौक से विधायक राजेश मूणत ने चुनाव से पहले युवा चौपाल और चाय पर चर्चा अभियान की शुरुआत की। इस दौरान राजेश मूणत ने बताया कि रायपुर में लोकसभा चुनाव प्रचार के थमने तक वह निरंतर युवाओं, विशेषकर फर्स्ट टाइम वोटर यानी पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के साथ चर्चा करके उन्हें देश के

प्रति युवाओं की जिम्मेदारी, मतदान के महत्त्व भाजपा की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रहित में किए गए कार्यों के बारे में बताएंगे।

मूणत ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 30 वर्ष से कम उम्र वाले कुल मतदाताओं की संख्या 48 लाख से अधिक है, जबकि रायपुर लोकसभा में 20 लाख से अधिक मतदाता हैं। इसमें से अधिकांश युवा हैं। यह अभियान रायपुर पश्चिम विधानसभा में शुरू किया गया है, जहां 50 हजार से अधिक युवा मतदाता हैं। मैं और बृजमोहन अग्रवाल स्वयं इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं से मिलने का प्रयास कर रहे हैं। युवा मतदाताओं को क्क्रू नरेंद्र मोदी की ओर से किए गए कार्यों और उनके सामने अब मौजूद अवसरों के बारे में बताने जा रहे हैं। इस दौरान मैं और हमारे कार्यकर्ता विद्यार्थियों और कामकाजी, समाज के हर क्षेत्रों के युवाओं से बात करेंगे।

मूणत ने कहा कि पहली बार वोटिंग करने वाले, युवाओं के साथ बातचीत करना बहुत महत्वपूर्ण है। इन्हीं युवाओं के आक्रोश ने ही छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखकर विष्णुदेव साय की सरकार बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल हैं। हमने संकल्प लिया है कि उन्हें 1 लाख वोटों की लीड के साथ छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए सांसद बनाकर दिल्ली भेजना है। लोकसभा चुनाव की दृष्टि से राजेश मूणत अपने विधानसभा क्षेत्र में अभी नजर आ रहे हैं। शनिवार को उन्होंने रायपुर पश्चिम विधानसभा के 10 वार्डों में भाजपा का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्षदों, छाया पार्षदों, मंडल प्रभारियों, पार्टी पदाधिकारियों समेत कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बेमेतरा कांग्रेस सम्मेलन के दौरान खाली रहीं कुर्सियां

- **पूर्व मंत्री भी नहीं हुए शामिल, फिर जीत का दावा**

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा ।इसके बाद दूसरे चरण और तीसरे चरण का मतदान होगा। बाद के दो चरणों के लिए राजनीतिक दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। बीजेपी जहां अपने स्टार प्रचारकों के जरिए भीड़ इकट्ठा कर रही है,वहीं कांग्रेस भी इससे पीछे नहीं है। कांग्रेस लोकसभा क्षेत्र में अपने कार्यकर्ताओं के बूते चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है ।इसी कड़ी में दुर्ग लोकसभा सीट के लिए एनएसयूआई कार्यकर्ता सम्मेलन और जिला कांग्रेस की बैठक हुई ।लेकिन ये बैठक अब कई तरह के सवाल खड़े कर रही है।

बेमेतरा जिला कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में दुर्ग लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू भी मौजूद थे। राजेंद्र साहू ने अपने चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को चार्ज किया। इस दौरान

राजेंद्र साहू ने दावा किया कि कांग्रेस प्रदेश के सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी ।पिछली बार कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है,उससे इस बार ज्यादा अच्छे परिणाम आएंगे।

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के बेमेतरा जिला के लिए लोकसभा चुनाव प्रभारी प्रदेश के पुर्व संसदीय सचिव गुरु दयाल सिंह बंजारे को बनाया गया है ।गुरुदयाल सिंह बंजारे कांग्रेस के नवागढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक हैं। जिन्हें विधानसभा चुनाव में पार्टी ने दरकिनार कर दिया था ।उनकी जगह अहिवारा के कांग्रेस विधायक गुरु रुद्र कुमार को नवागढ़ विधानसभा की कमान सौंपी गई थी। लेकिन रुद्रकुमार चुनाव हार गए। यहीं नहीं गुरु रुद्रकुमार कार्यकर्ता सम्मेलन और कांग्रेस की बैठक में भी शामिल नहीं हुए।

दुर्ग लोकसभा के बेमेतरा जिला चुनाव प्रभारी गुरु दयाल सिंह बंजारे ने कहा कि बैठक में चुनाव कैसे जीतना है। इस विषय को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा हुई है ।वहीं कुर्सियां खाली रहने के सवाल पर गोलमोल जवाब दिया। बंजारे ने कहा कि कुर्सियां खाली नहीं थी बल्कि अतिरिक्त थी। जो कुर्सियां थी मीडिया कर्मियों के लिए लगाई गई थी।

राम मंदिर के मामले में झूठ बोल रही भाजपा : कन्हैया कुमार

बिलासपुर। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार बिलासपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव के पक्ष में आम सभा करने शहर पहुंचें हैं। सभा से पहले कन्हैया ने पत्रकारों से बात की और भाजपा पर जमकर हमला बोला।

कांग्रेस भवन में कन्हैया कुमार ने कहा भाजपा राम मंदिर को लेकर कहती है कि पांच सौ साल राम जी वनवास में थे जिन्हे पीएम मोदी लेकर आए, तो मैं पूछता हूं कि आखिर किस हिसाब से 500 साल भाजपा कह रही है, क्योंकि राम जी तो 14 साल के वनवास में त्रेता युग में गए थे फिर कैसे 500 साल हुआ। भाजपा लोगों के सामने झूठ बोल रही है।

राम के नाम पर चुनाव लड़ रही भाजपा

कन्हैया कुमार ने कहा- देश में रोजगार का मुद्दा, महंगाई का मुद्दा और विकास का मुद्दा छोड़कर भाजपा राम मंदिर के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है, जबकि देश को विकास चाहिए, महंगाई कम होना चाहिए। बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

हमारे पिता और दादा ने अपनी कमाई से प्रॉपर्टी तैयार कर हमें सौंपी हैं लेकिन हम अपनी अगली पीढ़ी के लिए ऐसा कुछ नहीं कर पा रहे हैं। सिर्फ कमा रहे हैं और खा रहे हैं। पैसा जमा नहीं हो पा रहा है। महंगाई इतनी ज्यादा है कि व्यक्ति को अपना परिवार चलाने के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। ऐसे में इस देश से मोदी जी की सरकार को हटाना है और कांग्रेस का हाथ मजबूत करना है।

बिंद्रानवागढ़ और राजिम के बीच फंसी महासमुंद सीट, साहू समाज भी बड़ा फैक्टर

गरियाबंद। महासमुंद के महाभारत में जीत के अपने-अपने दावों के बीच राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन दोनों सीटों पर लोकसभा में सियासी बिसात विधानसभा से अलग है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि परिणाम भी विधानसभा के विपरित देखने को मिलेगा।

भाजपा के गढ़ कहे जाने वाले बिंद्रा नवागढ़ में कांग्रेस ने सेंध लगाकर इस बार जनक ध्रुव के रूप में अपना विधायक बनाने में सफल हो गई। यही वजह है कि इस सीट से लोकसभा प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू को खासी बढ़त बनाने का दावा कांग्रेसी कर रहे हैं। कॉन्फिडेंस का लेबल कितना हाई है, इससे भी अंदाजा लगा सकते हैं कि बिंद्रा नवागढ़ में अब तक किसी बड़े नेता का सभा नहीं कराई गई है। चुनाव प्रभारी का तक अता पता नहीं, प्रचार सामग्री भी इस क्षेत्र में नहीं पहुंच पाया है। विधायक जनक ध्रुव प्रचार का कमान संभाले हुए हैं, जबकि मैनेजमेंट की जवाबदारी ताम्रध्वज साहू के बड़े बेटे जितेंद्र साहू के हाथ में है।

बिंद्रानवागढ़ में कांग्रेस सभाओं व प्रचार सामग्री में पीछे है। पिछले 20 दिनों में जिला कांग्रेस कमेटी के कई ऐसे पदाधिकारी जिनकी जमीन स्तर पर पकड़ है, वे पार्टी छोड़ भाजपा प्रवेश कर गए हैं।

विधानसभा में जनक ध्रुव के खुले समर्थन में उतरे भाजपा के परंपरागत वोटर्स माने जाने माली समाज का रुख भी इस बार साफ नहीं है। कांग्रेस के लिए समर्थन जुटाने वाले यादव समाज के कई चेहरे भी इस बार भाजपा का झंडे थामे नजर आ रहे हैं। भाजपा सत्ता में वापस आ गई है, लिहाजा विधानसभा में गोवर्धन मांझी के लिए बगावत कर जनक को सीधे फायदा पहुंचाने वाले कई नामचीन चेहरे भी इस बार भाजपा के पक्ष में खुल कर काम करते दिखाई दे रहे हैं। राजिम में इस बार साहू समाज के विधायक रोहित साहू हैं, जिन्होंने अमितेश शुक्ल को हराया है। लोकसभा के चुनाव प्रभारी भी भाजपा ने रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू को बनाया है, उप मुख्यमंत्री अरुण साव समेत साहू समाज के कई दिग्गज नेता लगातार राजिम क्षेत्र में साहू समाज की सभा ले रहे हैं, ताकि साहू समाज के वोटर्स समाजिक फैक्टर में ना फंस जाए।

महासमुंद लोकसभा को कांग्रेस अपनी परम्परागत सीट मान चुकी थी, लेकिन 2024 के पहले तीन चुनाव में लगातार साहू समाज से खड़े किए गए प्रत्याशियों ने कांग्रेस को इस सीट पर मात देते आ रही थी। इस बार भी समाज से कई चेहरे दावेदारी किया था, लेकिन पार्टी ने लोकसभा में मौजूद 2 लाख मतदाता वाले साहू समाज के बजाए 17 हजार अघरिया समाज से उम्मीदवार के रूप में रूप कुमारी चौधरी को खड़ा कर दिया।

भाजपा भले ही इसे ओबीसी का प्रतिनिधित्व के रूप में मान कर चल रही है, पर भीतरी खाने में समाज ने इसे निष्ठा का विषय बना लिया है। सूत्र बताते है कि साहू अपनी प्रभाव बनाए रखने राजनीतिक के बजाए सामाजिक समीकरण के आधार पर वोट करेंगे, कई बैठक भी हुई, जिसमें ताम्रध्वज साहू या फिर कमान संभाल रहे उनके पुत्र के साथ प्रदेश स्तर के सामाजिक पदाधिकारी मौजूद रहते हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा समर्थित साहू नेता बैठक लेकर अपने प्रत्याशी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी सीधे सामाजिक लोगों से संपर्क कर अपने लिए वोट मांग रहे हैं, जिसका सीधा फायदा उन्हें राजिम विस में होगा।

वहीं साहू समाज के पदाधिकारियों ने कहना है कि किसी के पक्ष के लिए कोई निर्णायक बैठक नहीं हुई है, पर माना रुझान साहू प्रत्याशी की ओर है। मामले की पुष्टि करने जब हमने साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल राम साहू से बात की तो उन्होंने किसी भी पार्टी को समर्थन के लिए सुनियोजित बैठक से इंकार किया। उन्होंने कहा कि वे समाज के अध्यक्ष होने के नाते साहू समाज के तीनों प्रत्याशी का समर्थन कर रहे हैं। समाज के सदस्यों को भी समर्थन के लिए बोला जा रहा है, पर दबाव नहीं, उनकी स्वेच्छा पर छोड़ा गया है।

साहू समाज के गरियाबंद जिला अध्यक्ष नारायण साहू भी किसी पार्टी को समर्थन देने की गई कोई भी बैठक से साफ इंकार करते है, पर आगे कहते हैं कि विधान सभा में अलग बात थी, समाज के कई कांग्रेसी भाजपा में खड़े सामाजिक प्रत्याशी रोहित साहू का समर्थन किया था, हो सकता है इस बार लोकसभा में उल्टा भी हो सकता है। सभी पार्टी से जुड़े लोग है किसी एक लिए समर्थन का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

भाजपा नेता ने राहुल को पत्र लिखकर पूछा सवाल

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व महामंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर शुक्ला के झीरम घाटी हमले पर उठाए गए सवाल पर भाजपा प्रवक्ता और रायपुर लोकसभा प्रभारी संदीप शर्मा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो सवाल पूछे गए हैं, वह न्याय संगत है, राहुल गांधी को इसका जवाब देना चाहिए। झीरम घाटी में शहीद हुए लोगों के लिए उन्होंने अब ता क्या किया? दरअसल, भाजपा नेता शुक्ला ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर सवाल पूछा है कि क्या कवासी लखमा को क्लीन चिट देकर लोकसभा की टिकट दी गई है।

बता दें कि संदीप शर्मा आज मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मूल प्रश्न ये है कि क्या कांग्रेस पार्टी एक राजनीतिक दल है। अफजल

हम शर्मिंदा है तेरे कातिल जिंदा है। सेना महिलाओं का रेप करती है। भारत तेरे टुकड़े होंगे-ये कहने वाला व्यक्ति कांग्रेस का स्टार प्रचारक है, ये दुर्भाग्य है।

संदीप शर्मा ने कहा, ऐसा राष्ट्र और संस्कृति विरोधी कांग्रेस का स्टार प्रचारक है। कांग्रेस देश विरोधियों की पार्टी बनकर रह गई है। छत्तीसगढ़ की जनता कभी इनको स्वीकार नहीं करेगी। जनता ऐसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता को अच्छे से समझती है और सभी चरणों के चुनाव में बीजेपी को भरपूर मत मिलेगा।

सेकुलर नेता के मन में क्यों बसा मुस्लिम मतदाता?

संजय तिवारी

भारत में अपने आपको सेकुलर कहनेवाले नेताओं के मन में हमेशा से मुस्लिम मतदाता रहा है। इस बार भी उसका पूरा फोकस उसी ओर है। राहुल गांधी हों, तेजस्वी यादव हों, अखिलेश यादव या फिर ममता बनर्जी। सेकुलर पॉलिटिक्स का दावा करनेवाले ये सभी नेता खुलकर मुस्लिम वोटरों को अपनी ओर लुभाने में लगे हैं। मसलन, नवरात्र में जब मांसाहारी हिन्दू भी मांस मछली से दूर रहता है तब तेजस्वी यादव हेलिकॉप्टर में उड़ते हुए मछली खाते हुए दिखाई दिए। उनका संदेश साफ है। मुस्लिम वोटों के लिए हिन्दू व्रत त्यौहार कोई मायने नहीं रखते। वो नवरात्र में मछली और सावन में मटन खा सकते हैं। इन नेताओं के जो समर्थक पत्रकार या कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी हैं उनके लिए तो जैसे मौका ही मिल गया। एक बड़े चैनल के सेकुलर ब्राह्मण पत्रकार चेन्नई पहुंचे तो मरीना बीच पर एक मछली की दुकान पर चले गये। उन्होंने मछली, झींगा सबकी खासियत बताई और इशारों-इशारों में यह भी समझाया कि तेजस्वी यादव और मैं नवरात्र में मांस मछली खा रहा हूं, आप भी खाइये। यहां चेन्नई के डीएमके राज में भी सब खा रहे हैं। इसी तरह ईद के दिन ममता बनर्जी ने एक बार फिर ऐलान किया कि वो पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं करेंगी। मतलब बांग्लादेश और पाकिस्तान से मुसलमानों का सताया हुआ कोई हिन्दू पश्चिम बंगाल पहुंचता है तो उसे वहां नागरिकता नहीं दी जाएगी। स्वाभाविक है उन्हें पाकिस्तान में सताये हुए हिन्दुओं से अधिक उन्हें सतानेवाले मुसलमानों की चिंता है। उन्हें सत्ता में बने रहने के लिए 28 प्रतिशत मुसलमानों का एकमुश्त वोट चाहिए तो उन्हें हर हाल में खुश रखना होगा। असल में देश में मुस्लिम जनसंख्या अभी भले ही 14 प्रतिशत हो लेकिन देश की 92 लोकसभा सीट ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 प्रतिशत या इससे अधिक हैं। इसमें 16 सीटें तो ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 50 प्रतिशत से अधिक हैं। 11 सीटें ऐसी हैं जहां 40 से 50 प्रतिशत के बीच मुस्लिम मतदाता है, जबकि 24 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 31 से 40 प्रतिशत के बीच है। 41 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता 21 से 30 प्रतिशत हैं। इस तरह 92 सीटों पर मुस्लिम मतदाता अपने वोट के रसूख के बल पर राजनीतिक दलों को अपने एजंडे पर चलने के लिए मजबूर करते हैं। लेकिन यहां यह भी समझने लायक बात है कि जहां मुस्लिम मतदाता 40 प्रतिशत से अधिक हैं वहां उनकी आपसी तकरार भी है। इन मुस्लिम मतदाताओं की नुमाइंदगी कौन करेगा, इसको लेकर उनके बीच भी खींचतान है। मुस्लिम मतदाता वहां अधिक प्रभावी है जहां वह 40 प्रतिशत से कम और 10 प्रतिशत से अधिक हैं। ऐसी स्थिति में वह एकजुट होकर वोट करता है और किसी भी उम्मीदवार की जीत हार में निर्णायक भूमिका निभाता है। इसलिए भारत में मुस्लिम हितैषी सेकुलर राजनीति करनेवाले दलों और नेताओं की हमेशा कोशिश रहती है कि वो मुसलमानों को किसी भी तरह से अपने पाले में खींचकर ले आएं। आरएसएस से जुड़े होने के कारण भाजपा हमेशा मुसलमानों के निशाने पर रहती है। इसलिए गैर भाजपा दल कोशिश करते हैं कि भाजपा की जीत का डर दिखाकर वह मुस्लिम मतदाताओं को एकमुश्त अपनी ओर मोड़ ले। इसके लिए उन्हें जो झूठ बोलना पड़े, बोलते हैं। अगर हिन्दुओं को नीचा दिखाकर वो मुसलमानों को खुश कर सकते हैं तो वो उसका भी मौका नहीं छोड़ते हैं। इसका कारण सिर्फ इतना है कि हर सेकुलर नेता के मन में मुस्लिम वोटर बसा हुआ है। भाजपा के डर और अपने वोटबैंक की राजनीति के कारण मुस्लिम समुदाय कई सारे मसलों पर तो फायदे में रहता है लेकिन जैसे जैसे भाजपा मजबूत हुई है, मुसलमानों के जनप्रतिनिधित्व में कमी आयी है। भारत के राजनैतिक इतिहास को देखें तो जब तक मुसलमान भाजपा को हराने की रेस में नहीं पड़ा था, वह फायदे में था। 1980 में जब भारतीय जनता पार्टी का गठन हो रहा था उस साल संसद में 49 मुस्लिम सांसद चुनकर आये थे। लेकिन भाजपा के गठन के बाद जैसे जैसे हिन्दू मुस्लिम ध्रुवीकरण हुआ है, मुस्लिम नुमाइंदगी में लगातार कमी आयी है। 2014 में मोदी की प्रचंड जीत के समय सिर्फ 23 मुस्लिम सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद 2019 में इनकी संख्या 27 तक पहुंची। जिन राजनीतिक दलों ने मुस्लिम वोटबैंक पर दांव लगाया वो घाटे में रहे। मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण हिन्दुओं का जो ध्रुवीकरण हुआ उसका नुकसान सिर्फ कांग्रेस या मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करनेवाले दूसरे सेकुलर दलों को ही नहीं हुआ बल्कि मुस्लिम नुमाइंदगी में भी कमी आयी।

जम्मू कश्मीर में बदल गयी राजनीति

समीर चौगांवकर

धारा 370 हटने के बाद बीते साल भर में शुक्रवार को यह प्रधानमंत्री मोदी का दूसरा जम्मू कश्मीर दौरा था जिसमें उन्होंने राज्य में जल्द विधानसभा चुनाव करवाने का भरोसा दिया है। इससे पहले मार्च 2023 में मोदी जब जम्मू कश्मीर आये थे तब दिल जीतने का दावा किया था। उस समय मोदी ने कहा था 2014 में मैंने आप लोगों का दिल जीतने का सपना देखा था। आज मैं फिर आपके बीच आया हूं तो मुझे लग रहा है कि मैं आपका दिल जीतने के काबिल बन चुका हूं। तब मोदी ने यह भी कहा था कि जल्द फिर आऊंगा। उसके बाद दूसरी बार शुक्रवार को मोदी जम्मू पहुंचे जहां उधमपुर से लगातार तीसरी बार सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे जीतेन्द्र सिंह के लिए रैली को संबोधित किया।

जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने से पहले 6 लोकसभा सीटें थीं, अब बदली हुई परिस्थितियों में जम्मू कश्मीर में पांच और एक लद्दाख में चली गई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को जम्मू के अलावा इस बार कश्मीर से भी उम्मीदें है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से महबूबा और अब्दुल्ला परिवार से मुक्ति पाने का आव्हान किया। मोदी ने जम्मू कश्मीर की जनता को चेताया कि विकसित भारत के लिए विकसित जम्मू कश्मीर जरूरी है, लेकिन कांग्रेस, पीडीपी और एनसी जैसी परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार के लिए जम्मू कश्मीर को फिर पुराने दिनों की ओर ले जाना चाहती हैं। मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों का मन बदला है और अब परिवारवादियों से जम्मू कश्मीर की जनता छुटकारा पाना चाहती है।

2019 के आम चुनाव में भाजपा ने तीन सीट उधमपुर, जम्मू और लद्दाख जीती थी। वहीं नेशनल कांफ्रेंस ने श्रीनगर, अनंतनाग और बारामूला जीती थी। भारतीय जनता पार्टी इस बार जम्मू, उधमपुर, लद्दाख के अलावा कश्मीर से भी एक सीट जीतने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। कश्मीर की तीन सीटों श्रीनगर, अनंतनाग और बारामूला पर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेन्स का गठबंधन मजबूत नजर आ रहा है। वहीं महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस को तो समर्थन दिया है लेकिन कश्मीर की तीनों सीटों पर एनसी के खिलाफ उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है। महबूबा खुद अनंतनाग से चुनाव लड़ रही हैं। जम्मू कश्मीर का यह पहला चुनाव है जब इस बार 10 से ज्यादा पार्टियां मैदान में हैं। जम्मू कश्मीर में पीडीपी, एनसी, कांग्रेस, भाजपा के अलावा इस बार डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी, जम्मू कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेस, जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी, पैंथर्स पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के साथ सीपीएम भी मैदान में है।

जम्मू की उधमपुर सीट के अलावा कश्मीर की अनंतनाग सीट पर भाजपा की उम्मीदें बढी हैं। उधमपुर सीट से जहां जीतेन्द्र सिंह जीत की हैट्रिक मारना चाहते हैं वहीं परिसीमन के बाद अनंतनाग में भाजपा मजबूत हुई है। जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ इलाके इसमें शामिल होने के कारण भाजपा को यहां तगड़े मुकाबले की संभावना दिख रही है। भाजपा के पक्ष में एक बात और जा रही है और वह है कि इस बार चुनाव में दो प्रमुख दलों नेशनल कांफ्रेस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को अगस्त 2019 के बाद अस्तित्व में आई दो स्थानीय पार्टियों जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) से कड़ी चुनावी टक्कर मिल रही है। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी मार्च 2020 में अस्तित्व में आई। पीडीपी के पूर्व नेताओं की बनाई पार्टी की अगुवाई पूर्व पीडीपी नेता सैयद अल्ताफ बुखारी करते हैं। अल्ताफ बुखारी पहले पीडीपी में थे और जम्मू कश्मीर के वित्त और पीडब्लूडी मंत्री रह चुके हैं। केन्द्र सरकार ने इन्हे जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई है। वहीं सितंबर 2022 में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का गठन कांग्रेस के नेता रहे और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने किया है। इसने उधमपुर से जीएम सरूरी को मैदान में उतारा है।

दूसरी तरफ सज्जाद लोन के नेतृत्व वाली जम्मू कश्मीर पीपुल्स कॉफ्रेन्स (जेकेपीसी) भी चुनाव मैदान में पुरानी प्रतिद्धंद्धी नेशनल कॉफ्रेस के खिलाफ ताल ठोक रही है। पीडीपी और नेशनल कांफ्रेस का कहना है कि नई पार्टियां भाजपा की सोची समझी रणनीति का नतीजा हैं जिन्हे मुस्लिम वोटरों को बांटने और भाजपा के हितों को साधने के लिए बनाया गया है। भाजपा की सारी उम्मीदें पहाड़ी जनजातीय समूह की बड़ी आबादी पर टिकी हैं, जिन्हे फरवरी में ही अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया गया है और इस तरह इस समुदाय को नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का रास्ता खुल गया है। इसके बाद से पूर्व नेशनल कांफ्रेस नेता मुश्ताक अहमद शाह बुखारी, पूर्व एमएलसी सैयद मोहम्मद रफीक शाह और शाहनाज गनी जैसे कई प्रमुख नेता भाजपा में शामिल हो चुके है। जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने से पहले पीडीपी के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा रह चुकी भाजपा अब धारा 370 हटने के बाद इस राज्य में अपना पहला मुख्यमंत्री देने का हरसंभव प्रयास कर रही है। सितंबर में विधानसभा चुनाव होना तय है। संघ ने अपने प्रचारकों की बड़ी फौज जम्मू कश्मीर में उतार दी है।

संघ भी चाहता है कि जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान दिया वहां भाजपा का मुख्यमंत्री बने। मोदी भी कह चुके हैं कि धारा 370 हटाकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को आधी श्रद्धांजलि दी है, भाजपा का मुख्यमंत्री बनाकर पूरी श्रद्धांजलि देना है। भाजपा जम्मू और उधमपुर को लेकर आश्वस्त है लेकिन भाजपा की पूरी कोशिश कश्मीर की अनंतनाग और श्रीनगर सीट जीतने की भी है। जम्मू कश्मीर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सितंबर तक विधानसभा चुनाव भी होना है। भाजपा को उम्मीद है कि परिसीमन के बाद और भाजपा के द्वारा किए गए विकास के कामों के बाद इस बार कश्मीर में बदलाव तय है। भाजपा भले ही जम्मू कश्मीर को लेकर उम्मीद से भरी हो, लेकिन लद्दाख में भाजपा का अपनी लोकसभा सीट बचाए रखना मुश्किल हो रहा है। अगस्त 2019 में जब जम्मू कश्मीर को विधानसभा वाला केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया, उस समय लद्दाख को बिना विधानसभा वाला केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया था। लद्दाख के लोग लद्दाख के लिए दो लोकसभा सीट एक लद्दाख ओर दूसरी लेह की मांग करते हुए लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

बौद्ध बाहुल्य वाले लद्दाख और मुस्लिम बाहुल्य वाले कारगिल के संगठन लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलांयस एक साथ मिलकर आंदोलन कर रहे हैं। लद्दाख के लोगों की मुख्य मांगे हैं कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, छठी अनुसूचि के तहत संवैधानिक सुरक्षा, स्थानीय नौकरी में युवाओं को आरक्षण और लद्दाख में लोकसेवा आयोग का गठन किया जाए। भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि लद्दाख को छठी अनुसूचि में शामिल किया जाएगा। अब केन्द्र सरकार अपने वादे से पीछे हट रही है। ऐसे में लद्दाख सीट जीतना भाजपा के लिए बेहद मुश्किल है। अक्टूबर 2023 को हुए लद्दाख स्वायत्तशासी पर्वतीय विकास परिषद के चुनाव में नेशनल कांफ्रेस और कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की थी और भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था।

बहरहाल, जम्मू कश्मीर में भाजपा के पक्ष में जो बात दिख रही है वह यह कि अब कश्मीर के लोगों को धारा 370 की वापसी को लेकर कोई उम्मीद नहीं है। एक बड़ा वर्ग मोदी सरकार के विकास कार्यो से संतुष्ट नजर आ रहा है। परिवारवाद और भ्रष्टाचार में लिप्त रही पीडीपी और नेशनल कांफ्रेस काफी हद तक अपना असर खो चुके हैं। इसलिए धारा 370 की वापसी की बात कोई नहीं कर रहा है। भाजपा ने कश्मीर में केन्द्र की योजनाओं के जरिए एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार कर लिया है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भाजपा अपने विकास कार्यों के भरोसे चुनाव लड़ रही है और यही भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। जिस राज्य में भाजपा का कोई नाम नहीं लेता था, आज भाजपा वहां की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनती हुई दिख रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-56)

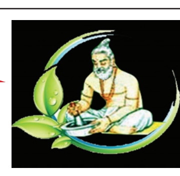

गतांक से आगे...

इस प्रकार के सर्वश्रेष्ठ पुरुष भी जब काल-कवलित हो जाते हैं, तब मुझ जैसे सामान्य पुरुषों की तो गणना ही क्या है। इस नश्वर जगत् को ही दु:खों की अन्तिम परिधि माना गया है, उसमें शरीर के पड़े रहने पर सुखास्वादन किस प्रकार हो सकता है?

मैं प्रबुद्ध हो गया हूँ, मैं जाग गया हूँ। मेरी आत्मा को चुराने वाला दुष्ट चोर मेरा यह दूषित मन ही है। इसने न जाने मुझे कब अति दीर्घकाल से चुराकर अपने वश में कर लिया है। अब मैं इसे जान गया हूँ। अत: इसको विनष्ट कर डालूँगा। हेय पदार्थों के लिए दु:खित मत हो और उपादेय पदार्थों के प्रति आसक्त मत हो।

हेय एवं उपादेय से सम्बन्धित दृष्टि का परित्याग करके शेष में प्रतिष्ठित होकर अवस्थित हो जाओ। इस नश्वर जगत् की ओर से निराशा, निर्भयता, नित्यता, अभिज्ञता, समता, निष्कामता, निष्क्रियता, सौम्यता, धृति, निर्विकल्पता, मैत्री, सन्तोष, मृदुता एवं मृदुभाषण आदि गुण वासनारहित तथा हेय (हीन) और उपादेय (उपयोगी) के प्रभाव से रहित प्रज्ञावान् पुरुष में निवास करते हैं। तृष्णारूपिणी भीलनी के द्वारा विस्तीर्ण किये हुए वासना रूपी जाल से तुम आबद्ध किये गये हो, चिन्ता रूपी रश्मियों के द्वारा संसार रूपी मृग मरीचिकात्मक जल चतुर्दिक् फैला दिया गया है। हे पुत्र निदाघ! जिस तरह बवण्डर से मेघ रूपी जाल छिन्न-भिन्न हो जाते हैं, वैसे ही इस ज्ञानरूपी तीव्र बर्फी से उसे नष्ट करके अपने व्यापक स्वरूप में प्रतिष्ठित हो जाओ।

जिस प्रकार वृक्ष द्वारा प्रदत्त बेंट का सान्निध्य पाकर कुल्हाड़ी वृक्ष को ही काट डालती है, उसी प्रकार मन के द्वारा ही मन को काटकर परम पावन अविनाशी पद को अतिशीघ्र प्राप्त करके स्थिर हो जाओ।

क्रमश: ...

स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे डॉ. भीमराव अम्बेडकर

निधि अविनाश

बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वह एक न्यायविद, अर्थशास्त्री और दलित नेता थे, जिन्होंने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में कार्य किया।

पश्चिमी भारत के एक दलित महान परिवार में जन्मे अंबेडकर को अपने उच्च जाति के स्कूली साथियों द्वारा कई बार अपमानित किया जाता था। उन्होंने कानूनी अभ्यास और शिक्षण की ओर रुख किया और दलितों के बीच अपना नेतृत्व स्थापित किया। दलितों (या हरिजन, जैसा कि गांधी उन्हें कहते थे) के लिए बोलने के महात्मा गांधी के दावे का विरोध करते हुए, अम्बेडकर ने व्हाट कांग्रेस एंड गांधी हैव डन टू द अनटचेबल्स (1945) लिखा। 1947 में अंबेडकर भारत सरकार के कानून मंत्री बने। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाई, अछूतों के खिलाफ भेदभाव को समाप्त किया। 1951 में उन्होंने सरकार में अपने प्रभाव की कमी से निराश होकर इस्तीफा दे दिया। अक्टूबर 1956 में, हिंदू सिद्धांत में अस्पृश्यता के कारण निराशा में, उन्होंने हिंदू धर्म को त्याग दिया और नागपुर में एक समारोह में लगभग 200,000 साथी दलितों के साथ बौद्ध बन गए। अम्बेडकर की पुस्तक द बुद्धा एंड हिज़ धम्म 1957 में मरणोपरांत प्रकाशित हुई, और इसे 2011 में द बुद्ध एंड हिज़ धम्म: ए क्रिटिकल एडिशन के रूप में एक बार फिर प्रकाशित किया गया।

संविधान के रचियता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मृत्यु 6 दिसंबर 1956 को हुई थी। भारत की संविधान दुनिया का सबसे अधिक शब्दों वाला संविधान है लेकिन आपको बता दें कि संविधान के रचियता डॉ. भीमराव अम्बेडकर अपने इस लिखे हुए संविधान को जला देना चाहते थे। बताया जाता है कि 23 सितंबर 1953 को राज्यसभा में अम्बेडकर ने कहा था कि छोटे समुदायों और छोटे लोगों को हमेशा यह गर सताता है कि बहुसंख्यक उन्हें नुकसान पहुंचाएंगे। मेरे दोस्त कहता है कि मैंने संविधान बनाया है लेकिन आपको बताना चाहता हुं कि अपने हाथों से लिखी इस संविधन को जलाने वाला व्यक्ति में ही होंगा। मुझे इस संविधान की जरूरत नहीं है क्योंकि यह किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा। लेकिन हमे याद रखना होगा कि एक तरफ बहुसंख्यक है और एक तरफ अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक यह नहीं बोल सकते नहीं नहीं हम अल्पसंख्यकों को महत्व नहीं दे सकते क्योंकि इससे लोकतंत्र को नुकसान होगा। 19 मार्च 1955 को राज्यसभा में अम्बेडकर जी ने संविधान को जलाने के पीछे कारण बताया और कहा कि हमने भगवान के रहने के लिए मंदिर बनाया कि भगवान उसमें आकर रहने लगे लेकिन हुआ क्या वहां भगवान की जगह राक्षस आकर रहने लगे। हमने ये मंदिर राक्षस के लिए तो बनाया नहीं था। हमने तो इसे देवताओं के लिए बनाया था। अब हमारे पास इसे तोड़ने के अलावा कोई चारा ही नहीं है। इसलिए मैनें कहा था कि मैं संविधान को जला देना चाहता हूं।

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं

मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है।

देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है।

भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें। राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकर्ताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें। जबकि विपक्षी दलों की सारी की सारी कवायद में एक अनर्थ सच्चाई के ही दर्शन हुए क्योंकि जैसे केवल चेहरे बदलने से दामन के दाग नहीं धुल जाते, वैसे ही कुछ युवा चेहरों को सामने खड़ा करने से क्रांतिकारी सोच पैदा नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार के मुद्दे को व्यक्तिगत आरोपों की झड़ी लगाकर पृष्ठभूमि में डालने की कोशिश की जा रही है।

आज का इतिहास

1871 कनाडा ने डॉलर, सेंट, और मिल्स के रूप में मुद्रा का संप्रदाय निर्धारित किया।
1872 सैन फ्रांसिस्को बार एसोसिएशन का आयोजन किया गया।
1900 पेरिस विश्व प्रदर्शनी खुली।
1906 20 वीं शताब्दी में फैलोफ पेंटेकोस्टेलिज्म के लिए प्राथमिक उत्प्रेरक अजूसा स्ट्रीट रिवाइवल, लॉस एंजिल्स में खोला गया।
1909 संवैधानिक सरकार के खिलाफ एक सैन्य विद्रोह के बाद, एक भीड़ ने अडानी विलायत, ओटिकन साम्राज्य में आर्मेनियाई लोगों का नरसंहार शुरू किया।
1916 इंपीरियल जर्मन सेना ने उत्तरी तट पर हमले से बचाने के लिए ने तटीय रक्षा के उच्चायुक्त की स्थापना की।
193 सेप्टिमियस सेवेरस ने पांच बादशाहों के वर्ष के दौरान पेर्टिनैक्स की मृत्यु के बाद रोमन साम्राज्य के सिंहासन को जब्त कर लिया।
1935 एक भारी धूल तूफान ओक्लाहोमा और उत्तरी टेक्सास में बह गया, अनुमानित 300,000 लघु टन (270,000 टी) टॉपसाइल को हटा दिया।
1954 ऐशूरिन बेवन ने ब्रिटिश लेबर पार्टी के छाया कैबिनेट से इस्तीफा दिया।
1978 जॉर्जियाई एसएसआर के सर्वोच्च सोवियत द्वारा जॉर्जियाई भाषा की संवैधानिक स्थिति को बदलने के लिए हज़ारों जॉर्जियाई लोगों ने त्बिलिसी में प्रदर्शन किया।
1980 आयरन मेडेन का पहला आत्म-शीर्षक एल्बम आयरन मेडेन प्रकाशित किया गया।
1981 पहला अंतरिक्ष यान कोलंबिया-1 वापस धरती पर लौटा।
1985 49 वीं गोल्फ मास्टर्स चैंपियनशिप- बर्नहार्ड लैंगर ने जीत दर्ज की, 282 की शूटिंग की।
1988 मेल्स म्यूजिक बॉक्स थियेटर न्यूयॉर्क सिटी में खुलता है। यह 36 प्रदर्शनों के लिए था।
1992 बेक एंड डॉल्स मार्टिन बेक थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में खुलता है। यह 1,143 प्रदर्शनों के लिए था।
1992 लेस मिसेबल्स, पैलेस थिएटर, मैनचेस्टर में खुला।
1994 ऑपरेशन प्रोवाइड कम्फर्ट इन्नोरसेंट इराक के दौरान एक दोस्ताना आग की घटना में, दो अमेरिकी वायु सेना के विमानों ने गलती से दो यूएसआरमी हेलीकॉप्टर को गोली मार दी, जिसमें 26 लोग मारे गए।

पश्चिमी यूपी में 'नल' के पानी से 'कमल' की सिंचाई

अनिल सिंह

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट नेता जयंत चौधरी ने कहा है कि उनका चुनाव चिन्ह नल है और नल से पानी निकलेगा तो उससे कमल की सिंचाई होगी। सांकेतिक रूप से वो यह कहना चाह रहे हैं कि रालोद और भाजपा गठबंधन से पश्चिमी यूपी में उनकी जीत को कोई रोक नहीं सकता। जयंत चौधरी का ऐसा कहना कितना सही साबित होगा यह तो 4 जून को पता चलेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में फिलहाल भाजपा के लिए समीकरण उलझते हुए दिख रहे हैं। अपनी पुख्ता तैयारियों, जबर्दस्त रैलियों के बावजूद इस बार पश्चिमी यूपी में भाजपा के लिए हालात 2019 से ज्यादा मुश्किल हैं। भाजपा को पिछले चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन ने सबसे ज्यादा झटका इसी क्षेत्र में दिया था। पिछली बार दोनों गठबंधनों में सीधा मुकाबला था, लेकिन इस बार कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। ऐसे में यह अनुमान लगाना कि ऊंट किस करवट बैठेगा, मुश्किल हो गया है।

दरअसल, 2019 में पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, मेरठ एवं मुरादाबाद मंडल की 14 सीटों में 6 पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि ब्रज क्षेत्र की आगरा, अलीगढ़ और बरेली मंडल की 13 सीटों में केवल मैनपुरी में हारी थी। सपा-बसपा-रालोद का गठबंधन नहीं होने के बावजूद भाजपा को पश्चिमी यूपी में जूझना पड़ रहा है तो उसका सीधा कारण शीर्ष नेतृत्व का अति आत्मविश्वास तथा जाट वोटरों पर सर्वाधिक विश्वास दिखाना है। पश्चिमी यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव की तरह एक बार फिर जाट बनाम अन्य का समीकरण प्रभावी हो गया है। पश्चिम यूपी के मेरठ, सहारनपुर तथा मुरादाबाद मंडल के मुजफ्फरनगर, कैराना, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बुलंदशहर सीट पर स्थानीय सांसदों का जबर्दस्त विरोध हो रहा था। जनता से दूरी, जातीय एवं थानों की राजनीति के चलते मतदाता अपने सांसदों से असंतुष्ट था। मुजफ्फरनगर, गौतमबुद्धनगर एवं कैराना में नाराजगी सबसे ज्यादा थी। भाजपा समर्थक वोटर मानकर चल रहे थे कि इन सीटों पर प्रत्याशियों को बदला जायेगा, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने मेरठ छोड़कर सभी सीटों पर पुराने चेहरों को ही रिपीट कर दिया। मतदाताओं के एक बड़े वर्ग में इससे असंतोष है।

हालांकि, भाजपा मानकर चल रही है कि नाराज मतदाताओं के पास विकल्प नहीं है। मतदान के दिन नाराजगी के बावजूद नरेंद्र मोदी के नाम पर भगवा खेमे में लौट आयेंगे। भाजपा की यह सोच कुछ हद तक सही भी है, क्योंकि नरेंद्र मोदी को लेकर जनता में कोई नाराजगी नहीं है और विपक्ष भी कमजोर नजर आ रहा है। परंतु, इस बार भाजपा की यह सोच उल्टी पड़ सकती है। कोर वोटर अपने स्थानीय सांसदों से इतना नाराज है कि वह भाजपा का विरोध कर रहा है। भाजपा का आईटी सेल इस विरोध को कुछ लोगों की साजिश बताकर डैमेज कंट्रोल करने का भरसक प्रयास कर रहा है। आईटी सेल दूसरे दलों को वोट देने वाले अपने वोटरों को देशद्रोही साबित कर भावनात्मक घेरेबंदी भी कर रहा है, लेकिन जमीन पर इसका असर उल्टा दिख रहा है। पश्चिमी यूपी में केवल क्षत्रिय ही नहीं बल्कि त्यागी, शाक्य, कश्यप, सैनी, पाल और प्रजापति वोटर भी अलग-अलग सीटों पर अलग-अलग कारणों से भाजपा से नाराज हैं। सबसे ज्यादा विरोध मुजफ्फरनगर में संजीव बालियान तथा कैराना में प्रदीप चौधरी का है।

पश्चिमी यूपी में तमाम जातियां प्रभावी संख्या में हैं, लेकिन भाजपा ने जाटलैंड का नैरेटिव बना दिया है। यह नैरेटिव इस बार भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है। 2022 में किसान आंदोलन के समय भी नैरेटिव बना था कि जाटों की नाराजगी भाजपा को भारी पड़ेगी। जाटों की नाराजगी और रालोद-सपा गठबंधन के बावजूद भाजपा ने पश्चिमी यूपी में शानदार प्रदर्शन किया था तो उसका सीधा कारण था कि जाट रालोद-सपा के साथ था, वहीं क्षत्रिय, ब्राह्मण, सैनी, कश्यप, शाक्य, पाल, त्यागी, प्रजापति जैसी तमाम जातियां भाजपा के साथ खड़ी थीं। पश्चिमी यूपी में त्यागी, पाल, सैनी, कश्यप, प्रजापति, ब्राह्मण, गुर्जर भी अच्छी संख्या में हैं। गुर्जर और ब्राह्मणों में कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन अन्य जातियों को प्रतिनिधित्व ना मिलने से उदासीनता है। दूसरे दलों ने जिन सीटों पर इन जातियों के उम्मीदवार उतारे हैं, इनका उस दल की तरफ झुकाव दिख रहा है। पश्चिमी यूपी में दलित एवं मुसलमान बड़ा फैक्टर है। जाटव पूरी तरह बसपा के साथ हैं तो मुसलमान इंडिया गठबंधन के साथ, लेकिन बसपा ने कई सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर इंडिया गठबंधन की, वहीं क्षत्रिय एवं त्यागी प्रत्याशी उतारकर भाजपा की मुश्किल बढ़ा दी है।

बसपा ने सहारनपुर में इंडिया गठबंधन के इमरान मसूद के खिलाफ माजिद अली को उतारकर मामला फंसा दिया है। भाजपा से राघव लखनपाल उम्मीदवार हैं। मुस्लिम वोट बंटे तो भाजपा को फायदा होगा और क्षत्रिय वोट बंटा तो कांग्रेस को। इसी तरह बसपा ने नोएडा में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सोलंकी, गाजियाबाद से नंदकिशोर पुंडीर तथा मेरठ से देववृत्त त्यागी को उतारकर भाजपा की मुश्किल बढ़ा दी है। मुरादाबाद, रामपुर, संभल और अमरोहा में मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर बसपा ने सपा के सामने मुस्लिम वोटों के बंटवारे को रोकने की चुनौती पैदा कर दी है। बसपा ने मुजफ्फरनगर में दारा सिंह प्रजापति को उम्मीदवार बनाकर भाजपा के वोटों में सेंधमारी की है। इस सीट पर क्षत्रियों के अलावा अन्य जातियां भी संजीव बालियान से नाराज हैं। भाजपा को केवल जाटों पर ज्यादा भरोसा दिखाना, भारी पड़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी जाट हैं, इसके बावजूद भाजपा ने जाटलैंड के नैरेटिव को मजबूत करने के लिये रालोद से गठबंधन किया। भूपेंद्र चौधरी ने जाटलैंड के नैरेटिव को बनाये रखने के लिये अपना पूरा फोकस मुजफ्फनगर सीट पर लगा दिया है। नाराज लोगों से मीटिंग कर रहे हैं, लेकिन यह कितना असरकारी होगा, यह तो चुनाव परिणाम आने पर ही पता चलेगा।

पश्चिमी एवं ब्रज क्षेत्र में भाजपा ने त्यागी, सैनी, पाल, प्रजापति समाज को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया है, लेकिन ये जातियां भाजपा से तभी छिटकेंगी, जब दूसरे दल से इनकी जाति का प्रत्याशी आयेगा। इस बार भाजपा के लिए 2019 का प्रदर्शन दोहराना भी आसान नहीं है। भाजपा ने पश्चिम एवं ब्रज की 27 सीटों में 20 पर जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार स्थानीय समीकरणों एवं त्रिकोणीय लड़ाई के चलते 20 सीटों को बचा पाना आसान नजर नहीं आ रहा है। भाजपा अपनी जीती हुई सीटें बचाने में सफल होती है तो यही उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भाजपा के लिए 2019 में इन 27 सीटों पर समीकरण इसलिए बहुत खराब नहीं हुए, क्योंकि सपा-बसपा गठबंधन जितना कागजों पर प्रभावी नजर आ रहा था, धरातल पर उतना असरकारी नहीं दिखा। दोनों दलों में गठबंधन के बावजूद जमीनी एवं सामजिक स्तर पर इनके मतदाताओं के बीच बनी दूरी मतदान के दौरान भी दिखी। सपा का वोटर तो खुलकर बसपा के साथ आया, लेकिन बसपा का वोटर अपना वोट सपा को देने के बजाय भाजपा को दे आया। इसके चलते ही बसपा शून्य से दस सीट तक पहुंच गई और सपा पांच की पांच रही।

गठबंधन जमीन पर असरकारी होता तो सपा नेता डिम्पल यादव की कन्नौज और धर्मेंद्र यादव की बदायूं में हार नहीं होती और मैनपुरी में मुलायम सिंह यादव की जीत का अंतर एक लाख के नीचे नहीं आता। यह इसलिए हुआ क्योंकि बसपा वोटर सपा को वोट देने के बजाय भाजपा की तरफ मूव कर गया। दरअसल पिछली बार सपा-बसपा का गठबंधन भाजपा के लिए संजीवनी का काम कर गया, लेकिन इस बार मुकाबला त्रिकोणीय है। इसलिए पश्चिमी यूपी में भाजपा के लिए फिर से 2014 और 2019 के चुनाव परिणामों को दोहरा पाना आसान नहीं है। वह भी तब जब हिंदुत्व की राजनीति में जातीय समीकरण की सेंध लग चुकी है।

नीति न निष्ठा, राजनीति में सब कुछ है सत्ता

राजकुमार सिंह

चुनाव पूर्व दलबदल देश में नया नहीं है, पर हाल की कुछ घटनाओं से लगता है कि हमारे नेताओं ने राजनीति को भी आईपीएल क्रिकेट-सा बना दिया है। आईपीएल में हर सीजन से पहले खिलाड़ियों की नीलामी होती है और बड़ी संख्या में खिलाड़ी-कोच इधर से उधर हो जाते हैं। वैसा ही दृश्य राजनीति में नजर आ रहा है। लगता ही नहीं कि नेताओं की कोई नीति या दल-नेतृत्व के प्रति निष्ठा है। वह उसी तरह दल बदल रहे हैं, जिस तरह आईपीएल में खिलाड़ी टीम बदलते हैं। चुनावी मुकाबलों में खेल भावना आदर्श स्थिति हो सकती है, पर राजनीति का खेल बन जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बेशक देश-काल-परिस्थितियों के मुताबिक नेता का मन बदल सकता है, पर उसके संकेत तो मन-वाणी-कर्म से पहले ही मिलने शुरू हो जाने चाहिए। अगर अचानक मन बदलता है तो नेता की नीयत पर सवाल उठेंगे ही। कांग्रेस के बेहद तेजतर्रार प्रवक्ताओं में शुमार गौरव वल्लभ पिछले कुछ दिन नजर नहीं आए, पर पार्टी की नीति और मुद्दों से उनकी असहमति भी कभी नहीं दिखी। केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से लेकर हर मुद्दे पर गौरव वल्लभ मुखर आलोचक रहे, पर अब अचानक कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। तर्क दिया कि वह सनातन के विरुद्ध नारे नहीं लगा सकते और वेल्थ क्रिएटर यानी संपत्ति सृजक को गाली नहीं दे सकते। सनातन के विरुद्ध नारे लगाने को किसने कहा- यह गौरव वल्लभ ने नहीं बताया। कभी पांच ट्रिलियन में लगनेवाले जीरो पूछ कर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा की बोलती बंद करनेवाले गौरव अब उनके साथ जुगलबंदी करेंगे। बिहार मूल के महाराष्ट्र के कांग्रेसी नेता संजय निरुपम की नाराजगी कुछ दिनों से मुखर हो रही थी। कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव लड़वाने से लेकर मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष तक बनाया, पर अब जब गठबंधन राजनीति के दबाव में उनकी लोकसभा सीट पर संकट आया तो वह कांग्रेस को दिशाहीन बताते हुए चले गए। सबसे दिलचस्प रहा मुक्केबाज विजेंदर सिंह का दलबदल। ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतनेवाले विजेंदर सिंह हरियाणा पुलिस में डीएसपी रहने के बाद 2019 में कांग्रेस के टिकट पर दक्षिण दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ कर हार चुके हैं। राहुल गांधी के ट्वीट को रात में रिट्वीट कर सोये विजेंदर सुबह जाग कर भाजपा में शामिल हो गए। तर्क भी गजब रहा- सुबह जगा तो मुझे लगा कि गलत प्लेटफॉर्म पर हूं। सही जगह भाजपा है, इसलिए आ गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद जिस तरह पार्टी के ज्यादातर राज्यसभा सांसद निष्क्रिय हैं और एक मंत्री राजकुमार आनंद ने अचानक सरकार एवं आप से इस्तीफा दे दिया है, उसका भी यही संदेश है कि नीति और निष्ठा अब बीते जमाने की बात है, वर्तमान राजनीति का सच सिर्फ सत्ता है।

क्या गाजियाबाद के भगवा किले पर फहराएगा तिरंगा?

कमलेश पांडे

देश की राजधानी नई दिल्ली से सटी औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है। आम चुनाव 2024 के तहत यहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा, इसलिए पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक तपिश बढ़ती जा रही है। यहां की मुख्य चुनावी लड़ाई एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग और इंडिया गठबंधन की कांग्रेस-सपा-आप प्रत्याशी डॉली शर्मा के बीच होगी। हालांकि दलित और क्षत्रिय वोटों के सहारे बसपा प्रत्याशी नंद किशोर पुंडीर इस लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने में सफल हो जाएंगे। यदि ऐसा हुआ तो सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। अब आइए बात करते हैं उन पहलुओं पर जो इस चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं-

पहला फैक्टर है- शहरी बनाम ग्रामीण। आमतौर गाजियाबाद महानगर के शहरी इलाकों में जहां भाजपा की पैठ मजबूत है, वहीं ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की पकड़ मजबूत है। वर्तमान में सपा कांग्रेस की सहयोगी पार्टी है। जबकि बसपा की पैठ शहरी/ग्रामीण दोनों इलाकों के जातिविशेष में है। बता दें कि गाजियाबाद की 70 प्रतिशत आबादी शहरों में और 30 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। इस मामले में कांग्रेस पर भाजपा भारी पड़ सकती है।

दूसरा फैक्टर है- जातीय समीकरण। जो किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में विरले ही जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, कुल 29 लाख 38 हजार 845 मतदाताओं वाली इस सीट पर सर्वाधिक 18 प्रतिशत ब्राह्मण, 15 प्रतिशत मुस्लिम, 14 प्रतिशत ठाकुर, 12 प्रतिशत गुर्जर, 10 प्रतिशत वैश्य, 16 प्रतिशत वंचित और 15 प्रतिशत अन्य मतदाता हैं। चूंकि भाजपा ने वैश्य, कांग्रेस ने ब्राह्मण और बसपा ने क्षत्रिय प्रत्याशी उतारे हैं। ये तीनों जाति भाजपा की हार्ड कोर समर्थक मानी जाती है।

शायद इसलिए भी कांग्रेस और बसपा ने उसी में सेंध लगाने की पहल की है। हालांकि, जातीय समीकरण भी अभी भाजपा के पक्ष में है क्योंकि उसने दलित, पिछड़े व पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की पहल शिद्दत पूर्वक की है, जबकि कांग्रेस इसे तोड़ने के लिए तरह-तरह के प्रयोग/उपाय कर रही है। लिहाजा, यहां भी भाजपा का पलड़ा कांग्रेस पर भारी है। राजनीतिक

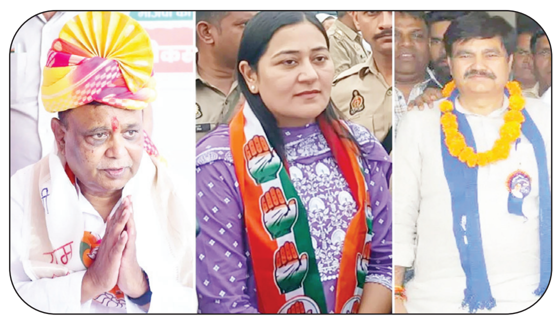

विश्लेषकों की राय है कि पिछले 2 लोकसभा चुनावों से काँग्रेस के वोट बैंक में भाजपा सेंध लगा चुकी है, जिसे वापस पाना अब भी कांग्रेस के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनी हुई है। क्योंकि गरीबी हटाओ के नारे पर हिंदुत्व भारी पड़ चुका है। क्षद्म धर्मनिरपेक्षता पर राष्ट्रवाद हावी होकर बोल रहा है। वहीं, जातिविशेष पर बसपा की पकड़ से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए मौजूदा चुनावी लड़ाई दिलचस्प मोड़ लेती जा रही है।

तीसरा फैक्टर है- सांप्रदायिक गोलबंदी। यह बात साफ है कि भाजपा को हिंदुओं के वोट थोक भाव में मिलते हैं, जबकि अल्पसंख्यक समाज का वोट रणनीतिक रूप से थोड़ा-बहुत। वहीं, कांग्रेस व उसके समाजवादी समर्थकों को अल्पसंख्यक समाज का वोट थोक भाव में मिलता है, जबकि बहुसंख्यक हिंदुओं के वोट जातीय आधार पर रणनीतिक रूप से थोड़ा बहुत। आंकड़े गवाह हैं कि जहां भी सांप्रदायिक गोलबंदी होती है, वहां भाजपा को ज्यादा, कांग्रेस को कम फायदा मिलता है। वहीं, अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में यह स्थिति उलट जाती है।

चौथा फैक्टर है- सरकारी कामकाज और विभिन्न मुद्दे। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग जहां मोदी सरकार और योगी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं। अपने शहर विधायक होने और उत्तरप्रदेश में राज्यमंत्री के रूप में सेवा देने के बारे में भी बता रहे हैं। साथ ही राष्ट्रीय मुद्दों की भी बात कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा कोरोना काल में अतुल गर्ग के यूपी के स्वास्थ्य राज्यमंत्री रहते हुए भी उनके द्वारा बरती गई लापरवाही पर लगातार उन्हें घेर रही हैं।

इसके अलावा, भाजपा द्वारा केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह का टिकट काटने पर भी उनकी पार्टी को आड़े हाथों ले रही हैं। यही नहीं, स्थानीय मुद्दों पर भी उन्हें लगातार घेर रही हैं। उनका आरोप है कि विगत 15 सालों से भाजपा के सांसद हैं, लेकिन मलिन बस्तियों तक विकास की किरण नहीं पहुंची है। गांवों में भी विकास नदारत है। इसलिए उन्होंने दो टूक कहा है कि गाजियाबाद का चुनाव वो स्थानीय मुद्दों पर भी लड़ेंगी। क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण, स्वच्छता, सुरक्षा, मेट्रो पहुंच आदि को वह सबके अनुकूल करने का इरादा रखती हैं। महंगाई व बेरोजगारी दूर करने का जज्बा रखती हैं। यहां पर कांग्रेस का पलड़ा कैंडिडेट के तेवर की वजह से भारी है और यही तेवर उनकी असली सियासी पूंजी है।

पांचवां फैक्टर है- संगठन और उसके दांवपेंच। इस मामले में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है, क्योंकि उसके ऊपर आरएसएस का परोक्ष हाथ हमेशा से ही रहता आया है। कांग्रेस भी अपने सेवा दल के सहारे देश पर लंबे समय तक राज कर चुकी है, जो अब कमजोर हो चुकी है। वहीं, नई आर्थिक नीतियों के दुष्परिणाम स्वरूप समाज में ऐसी प्रतिस्पर्धा बढ़ी कि सेवा भाव अब लगभग गायब होते जा रहा है और श्रम मूल्य सामाजिक जीवन में प्रभावशाली स्थान लेता जा रहा है।

वहीं, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी सपा और आप के कैडर तो हैं, लेकिन ये भाजपा की रणनीति का मुकाबला कितने कारगर ढंग से कर पाते हैं, सबकुछ इस बात पर ही निर्भर करेगा। हालांकि पारस्परिक समन्वय बिठाना कोई बच्चों का खेल नहीं है। वहीं, बसपा के पास लगभग 20 प्रतिशत कैडर वोट है, जिसके सहारे भारतीय राजनीति में उसकी पूछ निरंतर बनी हुई है। जबकि गत 12 वर्षों से वह यूपी की सत्ता से बाहर है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मीडिया और सोशल मीडिया में अक्सर छाई रहने वाली कांग्रेस प्रत्याशी क्या भगवा किले पर कांग्रेसी तिरंगा फहरा पाएंगी? क्या लुंज-पुंज कांग्रेस संगठन के सहारे वह अपने गठबंधन सहयोगियों को साधकर अपना लक्ष्य पूरा कर पाएंगी? क्या अपनी आक्रामक सियासी शैली से वह शांतिप्रिय व सुशिक्षित शहरी मतदाताओं को लुभा पाएंगी? क्या सियासी रूप से अनुभवहीन लोगों की फौज का नेतृत्व करते हुए वह गाजियाबाद के मैदान को फतह कर पाएंगी? सधा हुआ जवाब तो यही मिल रहा है कि आज की तिथि में दिल्ली उनके लिए बहुत दूर तो नहीं, बल्कि सन्निकट भी नहीं है। आने वाले दिनों में उन्हें कई सियासी पापड़ भी बेलने पड़ेंगे।

क्या छोटे दल दिखा पाएंगे अपनी बड़ी ताकत?

अभिषेक श्रीवास्तव

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होने जा रहा है और काफी कुछ तय होने के बावजूद छोटे दल कहीं इधर से तो कहीं उधर से बड़े दलों के साथ मोलभाव में लगे हुए हैं। यूं देखा जाए तो राज्य में दो मुख्य गठबंधन चुनाव मैदान में हैं, जिनमें से एक महाविकास आघाड़ी और दूसरा महागठबंधन है। दोनों में एक का तो सीटों का बंटवारा हो चुका है, लेकिन दूसरे का अंतिम बंटवारा सामने आना बाकी है। दोनों ही गठबंधन मुख्य रूप से तीन दलों के तालमेल के साथ तैयार हुए हैं, इसलिए तीनों दलों को अपने छोटे मित्र दलों को संतुष्ट करना है।

राज्य में चुनाव की बयार बहने के साथ प्रकाश आंबेडकर नीत वंचित बहुजन आघाड़ी, राज ठाकरे नीत महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, राजू शेट्टी नीत स्वाभिमानी पक्ष, महादेव जानकर नीत राष्ट्रीय समाज पक्ष, अरविंद केजरीवाल नीत आम आदमी पार्टी, मायावती नीत बहुजन समाज पार्टी, असदुद्दीन ओवैसी नीत ऑल इंडिया मजलिस- ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन, बच्चू कडू नीत प्रहार जनशक्ति पार्टी, अबू आजमी नीत समाजवादी पार्टी, वाम दल, जोगेंद्र कवाड़े की पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी, रामदास आठवले नीत रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले), हितेंद्र ठाकुर नीत बहुजन विकास आघाड़ी जैसे अनेक दल बड़े दलों के साथ तालमेल के लिए सामने आ जाते हैं। कुछ हद तक बड़े दल ही उनकी स्थानीय ताकत को समझ कर हिस्सा बांट की तैयारी के लिए कदम उठाते हैं। इनमें महत्व उन्हीं को मिलता है, जिनका प्रभाव अपने क्षेत्र में अधिक होता है।

पिछले चुनाव में कुल 95 दलों ने हिस्सा लिया। यदि मतों के हिसाब से देखा जाए तो दस-बारह दलों के अलावा सभी दल सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए थे। यदि मतदान की हिस्सेदारी के हिसाब से देखा जाए तो 15 प्रतिशत मत मुख्य गठबंधनों के अलावा छोटे दलों और निर्दलीयों के पास थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवारों ने 51.3 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे, संयुक्त प्रगतिशील मोर्चे के प्रत्याशियों ने

33.7 प्रतिशत मत पाए थे। यदि इन आंकड़ों के दृष्टिकोण से देखा जाए तो छोटे दल, यहां तक कि निर्दलीयों के मत भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

बीते दो लोकसभा चुनावों की तुलना में वर्तमान चुनाव में राजनीतिक स्थितियां देखी जाएं तो वे बहुत ही विचित्र स्तर तक पहुंच चुकी हैं। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) के बिखराव के चलते किसी भी दल को अपनी ताकत समझ में नहीं आ रही है। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और कांग्रेस दोनों बिखरे हुए दलों के गठबंधन में साथी होने के कारण अपनी क्षमता का सही अनुमान नहीं लगा पा रहे हैं। अनेक स्थानों पर उन्हीं उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ना है, जिनका सालों-साल समर्थन किया था। यदि ऐसे में मत विभाजन हुआ तो दो की लड़ाई में तीसरे का भला के समीकरण अनेक स्थानों पर बन सकते हैं।

इसी कारण वर्तमान चुनाव में दलों के बीच, सीटों के बंटवारे को लेकर अधिक गंभीरता बरती जा रही है। वहीं छोटे दलों को नजरअंदाज करने का कोई खतरा मोल नहीं लिया जा रहा है. परभणी में राष्ट्रीय समाज पार्टी के नेता जानकर का नामांकन भरने के समय उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उपस्थित रहना पड़ा, जबकि अमरावती में नवनीत राणा को भाजपा में शामिल करने के लिए पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले स्वयं पहुंचे।

मनसे के नेता राज ठाकरे और उनके बेटे अमित ठाकरे से मिलने से लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने व्यस्त समय में से भी समय निकाला. हालांकि वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रकाश आंबेडकर को अपने दांव को खेलने में अधिक सफलता नहीं मिली। इसी के चलते उन्होंने ज्यादातर स्थानों पर अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया है। रिपाई(आठवले) को भाजपा ने सीट नहीं दी है, फिर भी वह अपना समर्थन दे रही है।

अमरावती में चुनाव लड़ रहे रिपब्लिकन सेना के उम्मीदवार आनंद आंबेडकर को एआईएमआईएम ने समर्थन दिया है। वहीं मनसे प्रमुख ने तो अपनी गुढ़ी पाड़वा की सभा में भाजपा को खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। कुल मिलाकर जिसको जहां जगह मिल रही है, वह वहां पांव रखकर अपनी जगह को गंवाना नहीं चाह रहा है। कुछ वर्तमान की चिंता में परेशान हैं, कुछ दल आने वाले विधानसभा चुनावों की भी सोच रहे हैं। कुछ छोटे दल तो नगर पालिकाओं और जिला परिषदों में वर्चस्व बनाए रखने के लिए भाव-ताव कर रहे हैं।

वर्तमान चुनाव में जब प्रमुख दलों का अपने ही मतों को संभाल पाना अनिश्चित हो चला है, ऐसे में छोटे दलों पर कितना भरोसा किया जाए, यह एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा हो चला है। अनेक निर्वाचन क्षेत्रों में त्रिकोणीय से लेकर चतुष्कोणीय मुकाबलों के समीकरण आसानी से ही बन रहे हैं, इसलिए कम अंतर से विजय पाने के लिए कुछ सहारों को जरूरत भी बन पड़ी है। मगर मतों के बिखराव की अत्यधिक संभावनाओं के चलते किसी पर भी विश्वास कर पाना आसान नहीं है।

बीते चुनावों में किसी छोटे दल के किसी एक पाले में जाने से मतों का अंतर बदल जाता था, लेकिन अब उस अंतर में भी बंटवारा होने की आशंका के चलते छोटे दलों की बड़ी भूमिका सवालों के घेरे में आ चुकी है। साथ ही जाति-धर्म के समीकरण अपनी जगह जोर लगा रहे हैं। आरक्षण आंदोलनों से जाति विशेष से प्रभावित छोटे दलों का प्रभाव विपरीत परिणाम भी दे सकता है. मजबूरी के हालात के चलते छोटे दलों को बड़े दलों की ओर से महत्व मिलना राजनीतिक जरूरत है। किंतु उलझी स्थितियों में लाभ-हानि का सही आंकलन चुनाव के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल हर बड़ा दल भी अपनी नैया अपने हाथों संभाल रहा है, जो मंझधार में हिचकोले खा रही है। चुनाव के बाद जो पार लगेगा, वही अपना सच्चा खेवैया तय करेगा।

पश्चिम बंगाल में चुनौतियां कम नहीं होंगी भाजपा के लिए

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में जिन तीन सीटों पर मतदान होना है वहां भाजपा की साख दांव पर है। इसकी वजह यह है कि पिछले चुनाव में उसने यह तीनों जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरदुआर सीटें जीती थी। इस बार पार्टी के सामने उन पर कब्जा बरकरार रखने की चुनौती है। वैसे, भी उत्तर बंगाल इलाके को भगवा पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है। वर्ष 2019 में पार्टी ने इलाके की आठ में में से सात सीटें जीती थी जिनमें से छह सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस बार सीधे मुकाबले में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से इन सीटो को छीनने के लिए कमर कस ली है। लेकिन इन तीनों सीटों पर भाजपा मामूली बढ़त की स्थिति में है। दिलचस्प बात यह है कि इन तीन सीटों के लिए जो 37 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं उनमें से दस करोड़पति हैं। इनमें से खासकर कूचबिहार सीट सबसे अहम है। दरअसल, पिछली बार यहां जीते भाजपा के निशीथ प्रामाणिक फिलहाल केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हैं और इस बार भी वह मैदान में हैं। लेकिन हाल के दिनो में यह इलाका भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पों के कारण सुर्खियों में रहा है। राज्य सरकार के मंत्री उदयन गुहा के साथ उनका छत्तीस का कड़ा है। टीएमसी ने यहां जगदीश चंद्र बसुनिया को मैदान में उतारा है। इन दोनों के बीच अबकी कड़ी टक्कर की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक ही दिन कुछ घंटे के अंतराल पर इलाके में चुनावी रैलियों को संबोधित कर चुकी हैं। इससे इस सीट की अहमियत समझ में आती है। इस इलाके के जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ही भाजपा ने अनंत राय महाराज को अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया था। वे पार्टी के टिकट पर ऊपरी सदन में पहुंचने वाले राज्य के पहले व्यक्ति हैं। अनंत महाराज उस ग्रेटर कूचबिहार पीपुल्स एसोसिएशन के एक गुट के प्रमुख हैं जो बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाके को मिलाकर अलग केंद्र शासित प्रदेश की स्थापना की मांग करता रहा है। वो करीब 40 लाख की आबादी वाले कोच-राजबंशी समुदाय के हैं जो इलाके में निर्णायक हैं। कूचबिहार से सटी जलपाईगुड़ी सीट पर टीएमसी उम्मीदवार निर्मल कुमार राय का मुकाबला भाजपा के जयंत कुमार राय से है। इस संसदीय इलाके में दलितों और आदिवासियों की भरमार है। ज्यादातर चाय बागान भी इसी इलाके में हैं। पिछली बार जयंत राय ने करीब 1.85 लाख वोटों के अंतर से यहां जीत हासिल की थी। भाजपा की ताकत की काट के तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजबंशी समुदाय के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की है। इनमें राजबंशी समुदाय के लिए अलग प्राथमिक स्कूलों की स्थापना और समुदाय के समाज सुधारक पंचानन बर्मा की जयंती पर सरकारी अवकाश की घोषणा करना शामिल है। ममता ने चाय बागान मजदूरों की मांगों पर विचार करने और न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का भी भरोसा दिया है। भाजपा ने अलीपुरदुआर सीट पर अपने पिछले विजेता और केंद्रीय मंत्री जॉन बारला की जगह पार्टी के जिला प्रमुख मनोज तिग्गा को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस ने इस सीट पर बीते पांच वर्षों के दौरान अपनी स्थिति कुछ मजबूत की है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य प्रकाश चिक बारिक की इलाके के चाय बागान मजदूरों पर खासी पकड़ है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इलाके में गोरखा, कोच-राजबंशी और कामतापुरी जैसे जातीय समूहों के समर्थन ने भाजपा के पैरों तले की जमीन को मजबूत बनाया है। भाजपा वर्ष 2009 से ही गोरखा समुदाय के समर्थन से दार्जिलिंग सीट जीतती रही है। जहां तक मुद्दों का सवाल है पहले दौर में जिन सीटों पर मतदान होना है वहां अलग केंद्रशासित प्रदेश की मांग के अलावा नागरिकता (संशोधन) कानून और चा बागानों और उसके मजदूरो की दुर्दशा ही सबसे बड़ा मुद्दा है। दोनों प्रमुख दावेदार यानी भाजपा और टीएमसी इलाके के विकास के लिए अपनी योजनाओं का जिक्र करते हुए लोगों से समर्थन मांग रहे हैं।

फेमिनिज्म पर नोरा फतेही ने रखी बेबाक राय, बोलीं- इसने समाज को बर्बाद कर दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने अपने काम से इंटस्ट्री में एक खास ख्याति हासिल की है। अपने डांस से नोरा बड़ी-बड़ी एक्ट्रेसेस को पीछे छोड़ देती हैं। हाल ही में आई फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नोरा के काम ने सभी को इंप्रेस किया है। फिल्म को भले ही अच्छा रिस्पॉन्स न मिला हो, लेकिन सितारों के काम की तारीफ सभी ने की है। हाल ही में नोरा फतेही ने खुलकर कई मुद्दों पर बात की है। उन्होंने बॉलीवुड के कपल्स के साथ-साथ फेमिनिज्म पर भी अपनी राय पेश की। द रणवीर शो के दौरान नोरा ने फेमिनिज्म यानी नारीवाद को लेकर अपनी सोच सभी के साथ शेयर की। नोरा का कहना है कि उन्हें किसी की जरूरत नहीं है और वह फेमिनिज्म जैसे विचारों पर यकीन नहीं रखती हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि वह चाहती हैं कि महिलाएं काम पर जाए, उनकी भी अपनी जिंदगी हो और इंडिपेंडेंट बने। लेकिन सब कुछ एक लिमिट में।ऑ एक्ट्रेस ने अपनी बात को पूरा करते हुए कहा कि ये जो आइडिया है कि पूरी तरह से इंडिपेंडेंट होना है, शादी नहीं करनी, बच्चे नहीं करने। जिन घरों में आदमी और महिलाओं की उस डाइनैमिक्स को सच नहीं मानते, जहां आदमी प्रोवाइडर होता है और औरत पालन-पोषण करती है। वह इस तरह के लोगों पर विश्वास नहीं करती हैं। नोरा ने आगे कहा कि, उन्हें लगता है कि महिलाएं पालन-पोषण करती हैं, लेकिन उन्हें जाकर काम करना चाहिए और अपनी जिंदगी जीनी चाहिए और इंडिपेंडेंट होना चाहिए। लेकिन ये सब एक हद तक। उन्हें एक मां, एक वाइफ और एक पालन-पोषण का किरदार निभाने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। बिल्कुल वैसे जैसे एक आदमी को प्रोवाइडर, कमाने वाला, एक पिता और पति के तौर पर अपना किरदार निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए। नोरा ने आगे कहा कि काफी लोग इसे पुरानी या पारंपरिक सोच कहते हैं, लेकिन उनके मुताबिक ये सोचने का नॉर्मल तरीका है।

किसी के बाप की इंडस्ट्री नहीं है, नेपोटिज्म को लेकर बोलीं विद्या

विद्या बालन इस समय अपनी फिल्म %दो और दो प्यार% को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इस फिल्म में उनके साथ प्रतीक गांधी भी नजर आए हैं. एक्ट्रेस फिल्म का जमकर प्रमोशन भी कर रही हैं. इस बीच विद्या अपने स्ट्रगल को लेकर कई खुलासें भी कर रही हैं. वहीं अब विद्या ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर रिएक्शन दिया है. विद्या बालन उन एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं जो बिना गॉड फादर के इंडस्ट्री में आए और अपना नाम बनाया है. विद्या को उनकी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में पहचान मिली है. वहीं अब एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म को लेकर बयान दिया है. विद्या ने हाल ही में इंडियन एक्सप्रेस को इंटरव्यू दिया है. इस दौरान उन्होंने नेपोटिज्म के सवाल पर कहा कि- मुझे नहीं पता इसका जवाब कैसे दूं क्योंकि नेपोटिज्म और बिना नेपोटिज्म मैं यहां हूं. किसी के बाप की इंडस्ट्री नहीं है. नहीं तो हर बाप का बेटा या बेटी सक्सेसफुल होते. एक्ट्रेस ने आगे कहा कि- मैं अपना काम खुद करके खुश हूं. कई बार मुझे ऐसा लगता था शायद अगर मुझे कुछ लोगों का सहारा मिला होता तो उस फेज में लोग थोड़े ज्यादा दयालु होते. लेकिन मुझे लगता है कि इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता है. इस दौरान विद्या ने अपने हार्टब्रेक और पास्ट रिलेशनशिप को लेकर भी बात की. उन्होंने रिवील किया कि उन्हें अपने पहले रिलेशनशिप में धोखा मिला था. एक्ट्रेस ने कहा कि- मुझे धोखा मिला था. जिस पहले लड़के को मैंने डेट किया था उसने मुझे चीट किया था. वो बहुत बुरा था.

वर्क फ्रंट की बात करें तो, विद्या बालन प्रतीक गांधी केसाथ फिल्म दो और दो प्यार में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म का टीजर भी रिलीज हो गया है. फिल्म में इलियाना डिक्रूज भी हैं. ये फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में

नितेश की मेगाबजट फ़िल्म रामायण को नमित के साथ प्रोड्यूस करेंगे यश

केजीएफ़ स्टार यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस और नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज़ ग्लोबल ऑडियंस के लिए महाकाव्य रामायण बनाने के लिए साथ आ गई है । दोनों मिलकर इस बड़े बजट की रामायण को प्रोड्यूस करने के लिए बहुत उत्साहित हैं । विजनरी प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, जो कई एकेडमी अवॉर्ड विजेता विजुअल इफेक्ट्स कंपनी छ्ह्श्वत्र के ग्लोबल सीईओ भी हैं, वह पिछले कई साल से इस महाकाव्य गाथा को बड़े पर्दे पर लाने की अपनी प्लानिंग पर काम कर रहे हैं। बता दें कि नामित ने अपने इस एंबीशन के बारे मे ग्लोबल सुपरस्टार के साथ चर्चा की, और उनका यह आइडिया इतना पसंद आया की दोनो फिल्म मेकिंग पावरहाउस ने इस भारत के इस संपूर्ण सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने लाने के लिए हाथ मिलाने का फैसला किया।

यश और नमित मल्होत्रा रामायण को करेंगे प्रोड्यूस

नितेश तिवारी के साथ मिलकर, और दर्शकों के लिए कभी नहीं देखे गए सिनेमेटिक विजुअल का अनुभव देने के लिए छ्ह्श्वत्र के साथ मिलकर, नामित और यश ने एक बेहद महत्वपूर्ण यात्रा की शुरुआत की है। इसके जरिए उनका लक्ष्य दुनिया भर के सामने भारतीय संस्कृति और कहानियों की टाइमलेस अपील को पेश करने का इरादा है।

इस बारे में बात करते हुए नमित कहते हैं, सालों तक यूएस यूके और इंडिया के बीच जीवन बिताने के बाद, एक बिजनेस बिल्ड किया है जिसने बेजोड़ कमर्शियल सक्सेस देखने के साथ, पिछले 10 सालों में किसी दूसरे कंपनी से ज्यादा ऑस्कर जीत चुकी है। मेरी खुद की यात्रा ने मुझे उस बिंदु पर पहुंचा दिया है, जहां मैं रामायण की अद्भुत कहानी के साथ न्याय करने के लिए तैयार महसूस कर रहा हूं। वह इसे मैं सम्मान और श्रद्धा के साथ प्रस्तुत करने के लिए हूं, जिसकी वह हकदार है।

नमित ने आगे कहा, मेरे सामने शुरुआत से ही दो तरह की चुनौतियां रही हैं- एक ऐसी कहानी की पवित्रता का सम्मान करना, जिसकी जगह सभी के दिलों में है और जिसके साथ वे बड़े हुए हैं, और साथ ही दूसरी चुनौती यह है कि इसे दुनिया के सामने इस तरह से लाने कि यह अविश्वसनीय कहानी इंटरनेशनल दर्शकों द्वारा एक आकर्षक बड़े पर्दे के अनुभव के रूप में अपनाया जाए।

नमित ने यह भी कहा, यश में मैंने अपने संस्कृति को सबसे अच्छी तरीके से दुनिया के सामने पेश करने की आकांक्षा को पहचानता हूं। उनकी कर्नाटक से लेकर केजीएफ चैप्टर 2 तक की अनोखी इंटरनेशनल सफलता से प्रेरित होकर, मुझे यह लगता है कि मुझे उनसे बेहतर साथी नहीं मिल सकता है। ऐसे में इस सबसे बड़े महाकाव्य की कहानी के लिए दुनिया भर में प्रभाव बनाने के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता।

अपनी अनोखी क्षमता से किरदारों और कहानियों में जान फूंकने की ताकत रखने वाले, यश इंटरनेशनल एक्टर के रूप में उभर कर आए हैं। बता दें कि यश के पास देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में मजबूत फैन बेस है। 2014 से अपनी सारी फिल्मों में एक क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में, यश ने एक नई सोच और अनुभव का खजाना लाया है, जिससे यह तय होता है कि हर प्रोजेक्ट जो उनसे जुड़ा होता है, वह दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाता है।

इस बारे में बात करते हुए यश कहते हैं, मेरा लंबे समय से लक्ष्य रहा है कि मैं फिल्में बनाऊं जो इंडियन सिनेमा को एक ग्लोबल लेवल पर दिखाए। अब उस लक्ष्य को पाने के लिए, मैं एलए में था एक बेहतरीन ड्ढन्स्नङ्ग स्टूडियो के साथ हाथ मिलाने के लिए, और हैरानी की बात यह है कि इसके पीछे मौजूद नाम और कोई नही बल्कि एक भारतीय हैं। नामित और मैने कई आइडिएशन सीशन्स किए, और आचार्य की बात यह है कि इंडियन सिनेमा को लेकर हमारे विचार एक जैसे थे। हमने अलग अलग प्रोजेक्ट्स पर सोच विचार किया, और इस दौरान रामायण का विषय उठकर हमारे सामने आया। नमित ने इस पर काम किया था; रामायण, एक विषय के रूप में, मेरे साथ गहराई से जुड़ता है और मेरे दिमाग में इसके लिए एक दृष्टिकोण है। रामायण को को-प्रोड्यूस करने के लिए साथ आकर हम अपने विजन और अनुभव को एक साथ ला रहे हैं ताकि एक इंडियन फिल्म बनाई जा सके, जो दुनिया भर के दर्शकों में उत्साह और जुनून जगाएगी।

ये दोनों प्रोड्यूसर्स की जोड़ी सही मायने में क्रिएटिव और ट ॅ कि न क ल एक्सीलेंस के साथ एक्सपीरियंस का शानदार मिश्रण लेकर आ रही है। ऐसे में रामायण को एक शानदार सिनेमाई अनुभव के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें नमित मल्होत्रा और यश के नेतृत्व में नितेश तिवारी इसे डायरेक्ट करने वाले हैं।

नमित मल्होत्रा ने आगे कहा है, यह एक इंडियन फिल्म है, जो दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति को एक ऐसे तरीके से पेश करने वाली है, जिसे किसी और फिल्म ने कभी नहीं किया है।

वह कहते हैं, मैं थर्ड जनरेशन फिल्म मेकर के रूप में महसूस करता हूं, जिसने तीस सालों में एक गैराज स्टार्ट-अप को दुनिया की सबसे बड़ी और पॉपुलर कंपनी में तब्दील किया है, अब मुझे लगता है कि मेरा यह सारा एक्सपीरियंस इसी पल के लिए था। हम इस महाकाव्य को बिना किसी समझौते के बताएंगे, और इस तरह से प्रस्तुत करेंगे कि भारतीयों का दिल गर्व से भर जाएगा और वे अपनी संस्कृति को इस तरह से दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाएंगे। हम अपने फिल्म मेकर्स से लेकर हमारे स्टार्स, हमारे क्रू, हमारे बैंकर्स और इन्वेस्टर्स तक - हम सबसे बेहतरीन ग्लोबल टेलेंट को साथ का रहे हैं, ताकि इस महाकाव्य कहानी को उस देखभाल, ध्यान और दृढ़ विश्वास के साथ बताया जा सके, जिसकी यह हकदार है। यह जो हम बनाने जा रहे हैं उसे पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। और मैं बहुत ही उत्साहित हूं कि दुनिया को हमारे भारतीय संस्कृति और कहानी कहने का जादू सिल्वर स्क्रीन पर देखने मिलेगा।

यह एक अनोखा सफल होने वाला है, जिसके हर कदम पर नया जादू है ।

आगे यह कहते हैं, रामायण हमारे जीवन के हर रंग में बसा हुआ है । हमें लगता है कि हम इसे अच्छे से जानते हैं, लेकिन हर एक बार यह नए ज्ञान को उजागर करती है। नया दृष्टिकोण देती है और अनोखी पहचान प्रदान करती है । हमारा उद्देश्य है कि हम इस महाकाव्य को उसके महान सम्मान के साथ एक शानदार प्रदर्शन के रूप में पर्दे पर लाएं। लेकिन यह कहानी भावनाओं और उन सभी चीजों की बिना किसी समझाते की एक ईमानदार और विश्वसनीय पेशकश होगी, जिन्हें हम बेहद जरूरी समझते हैं।

यह रामायण को दुनिया के सामने लाने की एक यात्रा है, जो क्रिएटिव एक्सप्लोरेशन, बोल्ड विजन और ईमानदार तरीके से कहानी को कहने के प्रति हमारी कमिटमेंट का प्रमाण है ।

बड़े मियां छोटे मियां ने बनाया रिकॉर्ड, दो दिनों में किया कमाल

अक्षय कुमार-टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का दुनियाभर में बोलबाला है. फिल्म ईद के मौके पर रिलीज हुई है और दो दिन में ही 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है. अक्षय-टाइगर के जबरदस्त एक्शन को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं. फिल्म को मिक्स रिव्यू मिल रहे हैं. ईद के मौके पर बड़े मियां छोटे मियां सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस के साथ विदेशों में भी अच्छा कलेक्शन कर रही है. फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन सामने आ गया है. बड़े मियां छोटे मियां मल्टीस्टारर फिल्म है. अक्षय कुमार-टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. पृथ्वीराज ने फिल्म में विलेन का किरदार निभाया है. विलेन बनकर पृथ्वीराज फैंस के दिल में बस गए हैं. बड़े मियां छोटे मियां के इंडियन कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 15.65 करोड़ और दूसरे दिन 7 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद टोटल कलेक्शन 22.65 करोड़ हो गया है. वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 55.14 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. बड़े मियां छोटे मियां वीकेंड पर अच्छी कमाई कर सकती है. रिपोर्ट्स की माने तो वर्ल्डवाइड फिल्म वीकेंड पर 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी. बड़े मियां छोटे मियां के ईद के मौके पर रिलीज हुई है. 10 अप्रैल की शाम को अजय देवगन की मैदान भी रिलीज हुई है. जिसका असर बड़े मियां छोटे मियां के कलेक्शन पर देखने को मिला है. मैदान एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है जिसमें अजय देवगन ने इंडियन फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम का किरदार निभाया है.

दिव्या भारती की मौत की क्या थी असल वजह? सालों बाद इस एक्टर ने खोला राज

दिव्या भारती बॉलीवुड की मोस्ट वर्सेटाइल एक्ट्रेसेस में से एक थीं उन्होंने कम उम्र में ही अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर दी थी और इंड्स्ट्री में तील साल में ही टॉप एक्ट्रेस बन गई थीं. हालांकि, 19 साल की उम्र में उनके मुंबई अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल की बालकनी से गिरने के बाद उनका निधन हो गया था. दिव्या की अचानक मौत ने उनके लाखों फैंस का दिल दहला दिया था. इसके बाद कहा जाने लगा था दिव्या का मर्डर हुआ है और उन्हें किसी ने बालकनी से धक्का दिया था. वहीं अब, सालों बाद दिव्या के रंग को-एक्टर, कमल सदाना ने एक्ट्रेस की मौत की वजह का खुलासा किया है.

सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में, कमल सदाना ने बताया कि अपनी को-एक्टर और अच्छी दोस्त के अचानक निधन की खबर ने उन्हें हिलाकर कर रख दिया था और इस पर विश्वास करना उनके लिए काफी मुश्किल था. उन्होंने कहा, ये बहुत मुश्किल था. यह सचमुच दुखद था. वह सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक थीं और उनके साथ काम करना बहुत मजेदार था.

इंटरव्यू के दौरान, कमल ने याद किया कि कैसे दिव्या, श्रीदेवी की नकल करती थीं और वह उनसे कहते थे, आप सार्वजनिक रूप से ऐसा नहीं कर सकतीं. उन्होंने आगे कहा, वह बहुत मज़ेदार थी और यह बहुत चौंकाने वाली खबर थी और मैंने अभी-अभी उसके साथ शूटिंग पूरी की थी. मैंने कहा, यह कैसे संभव हो सकता है? यह जाने का नेचुरल तरीका नहीं है.

कमल सदाना ने आगे कहा कि दिव्या भारती की जब मौत हुई उस दौरान उनके पास कई फिल्में थीं और वह एक बड़ी स्टार बन सकती थीं. इसके बाद एक्टर ने आगे कहा कि दिव्या की मौत एक्सीडेंट ही थी. उन्होंने खुलासा किया, मेरा मानना था कि उस समय उसने कुछ ड्रिंक पी रखी थी और वह बस फार्टिंग कर रही थी. मुझे लगता है कि वह उस एनर्जी में थी और फिसल गई. मैं सचमुच मानता हूं कि यह सिर्फ एक दुर्घटना थी. मेरा मतलब है कि आप जानते हैं कि कुछ दिन पहले तक मैं बस उसके साथ शूटिंग कर रहा था और वह ठीक थी. उसके साथ कोई समस्या नहीं थी. उनके पास बेहतरीन फिल्में थीं जिन्हें उन्होंने पूरा कर लिया था. उनके पास फिल्मों की पूरी सीरीज थी जिसके लिए उन्हें साइन किया गया था. बता दें कि दिव्या को विश्वात्मा, शोला और शबनम और दीवाना जैसी फिल्मों से काफी पॉपुलैरिटी मिली थी. जब उनकी मौत को लेकर साजिश की अफवाहें सामने आने लगीं, तो उसके पिता ने एक बयान जारी कर कहा कि यह पूरी तरह से एक दुर्घटना थी, हत्या और आत्महत्या का कोई सवाल ही नहीं है

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पीएम मोदी आज जारी करेंगे भाजप का घोषणापत्र

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर सकते हैं। जबकि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के कई नेता राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के मुख्यालय में मौजूद रहेंगे, जहां विज़न डॉक्यूमेंट जारी किया जाएगा। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। पिछले महीने घोषित की गई भाजपा की 27 सदस्यीय घोषणापत्र समिति की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करते हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल संयोजक और सह-संयोजक हैं। बीजेपी के मुताबिक उसका मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास संकल्प पत्र पूरे देश के दृष्टिकोण का दस्तावेज है। अबकी बार 400 पार कॉल के साथ बीजेपी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। सूची में नवनिर्वाचित मुख्यमंत्रियों - विष्णु देव साय और मोहन यादव के नाम भी शामिल हैं।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 15 को सुनवाई

नईदिल्ली। भारत का सर्वोच्च न्यायालय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर 15 अप्रैल को सुनवाई करेगा। इस महीने की शुरुआत में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। सूत्रों के मुताबिक, जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद केजरीवाल ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया। यह आदेश न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने पारित किया, जिन्होंने कहा कि यह दिखाने के लिए सबूत हैं कि कथित घोटाले में केजरीवाल की संलिप्तता थी। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि रिश्वत के रूप में प्राप्त धन का इस्तेमाल 2022 के गोवा विधान सभा चुनावों में राजनीतिक प्रचार के लिए किया गया था। केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था और फिर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था।

तेजस्वी यादव ने जारी किया राजद का घोषणापत्र

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने राजद कार्यालय में प्रेस वार्ता की और राजद के वरीय नेताओं के साथ घोषण पत्र जारी किया। तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोज़गारी के बारे में बोल रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पूरे देश में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं। उसको तो भरेंगे ही। लेकिन, 70 लाख पदों का सृजन करेंगे। आपलोग जानते हैं नौकरी, बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हमलोग सच्चे लोग हैं। जो कहते हैं, वह करते हैं।

राजद के घोषणापत्र पर भाजपा-जेडीयू का वार

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया और बिहार के विकास के लिए 24 वादे किए। अब इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा और जदयू ने राजद के घोषणा पत्र पर निशाना साधा है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद के परिवार ने यह नहीं बताया है कि 1 करोड़ लोगों को रोजगार देने के नाम पर वे कितनी जमीन लेंगे...लालू यादव का पूरा परिवार सिर्फ भ्रष्टाचार ही कर सकता है और उन्होंने भ्रष्टाचार करने का रोडमैप भी बना लिया है कि जमीनों की रजिस्ट्री कैसे कराई जाए। 1 करोड़ युवाओं को सपना दिखाकर अपना नाम किया। चिराग पासवान ने कहा कि उनके (तेजस्वी यादव) परिवार के लोग बहुत लंबे समय तक सत्ता में थे और हमने देखा है कि नौकरियां कैसे वितरित की गईं... चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और बड़ी-बड़ी बातें कही जाती हैं, लेकिन जब वे आते हैं तो हकीकत सामने आ जाती है सत्ता में आते हैं और फिर बहाने बनाए जाते हैं।

भाजपा इमरान मसूद के बयान के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा का तर्क है कि मसूद ने विभिन्न समुदायों के बीच संभावित हिंसा भड़काकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए एक विशेष समुदाय के बीच भय पैदा करने का प्रयास किया। भाजपा की शिकायत में मसूद के सार्वजनिक बयान पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर चेतावनी दी थी कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो उन्हें और जिस समुदाय का वह प्रतिनिधित्व करते हैं, दोनों को परिणाम भुगतने होंगे। मीडिया में व्यापक रूप से साझा किया गया यह बयान भाजपा की शिकायत का मूल है, जिसने पार्टी को आगामी लोकसभा चुनावों की अखंडता की रक्षा के लिए कानूनी हस्तक्षेप की मांग करने के लिए प्रेरित किया है।

उत्तराखंड में प्रधानमंत्री पर प्रियंका का वार

पिछले 10 वर्षों में मोदी ने क्या किया : प्रियंका

रांची। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक नेता आगामी चुनावों में विजयी होने के लिए अपने-अपने राजनीतिक दलों के लिए समर्थन जुटा रहे हैं और जोरदार प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आज चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। उत्तराखंड के रामनगर में प्रियंका गांधी ने कहा कि आप कब तक कांग्रेस को दोष देते रहेंगे। कांग्रेस पिछले 10 साल से सत्ता में नहीं है। पिछले 10 वर्षों से वे (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ सरकार में हैं, अब वे कहते हैं 400 पार उन्हें और अधिक बहुमत चाहिए। वे कहते हैं कि 75 साल में कुछ नहीं किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर कुछ नहीं हुआ तो उत्तराखंड, जहां से आईआईटी, आईआईएम और एम्स देश में आए, वहां ऐसे कौशल कैसे विकसित हो गए। चंद्रयान चंद्रमा पर उतरा, यदि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इन्हें न बनाया होता तो क्या यह संभव था? उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से मेरे परिवार का काफी पुराना रिश्ता है। यहां पर हमारे बचपन के कुछ यादें हैं, मेरे पिता, भाई, बेटे और मैंने भी यहां से पढ़ाई की है। हमें जब भी छुट्टी मिलती, मैं अपने बच्चों के साथ यहां घूमने आती। मैं अपना सौभाग्य मानती हूं कि आज मैं यहां रामनगर आई हूं।

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि मोदी जी नहीं हम सब उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहते हैं। लेकिन जब उसी देवभूमि हिमाचल में भीषण आपदा आई तो वहां न मोदी जी दिखे और न ही भाजपा का कोई कार्यकर्ता। वहां कांग्रेस के नेता, मंत्री और खुद मुख्यमंत्री राहत पहुंचा रहे थे। मोदी सरकार ने राहत का पैसा आजतक नहीं दिया। मोदी जी के लिए देवभूमि केवल चुनाव के समय होती है, क्योंकि ये उनकी आदत बन गई है और सच्चाई बहुत दूर हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में आस्था का सबसे बड़ा प्रमाण त्याग होता है। मैंने 19 साल की उम्र में अपने पिता का शव अपनी मां के सामने रखा है। मैं शहादत और त्याग को समझती हूं। ये मेरे परिवार को कितनी भी गालियां दें, मेरे शहीद पिता का अपमान करें लेकिन हम चुप रहते हैं, क्योंकि ये हमारे संघर्ष को नहीं समझते। हम चुप रहते हैं, क्योंकि इस देश के लिए आस्था और सच्ची श्रद्धा हमारे दिल में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने यहां पर

अपने भाषण में सैनिकों की बात की, लेकिन अग्निवीर योजना कौन लाया? हजारों युवा सेना में जाने के लिए कई सालों तक मेहनत करते हैं, क्योंकि उनमें देशभक्ति की भावना होती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उनको उम्मीद होती है कि वह नौकरी में रहकर देश के साथ-साथ अपने माता-पिता की भी सेवा करेंगे। लेकिन मोदी जी ने अग्निवीर जैसी योजना लाकर युवाओं की आशाओं को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी यहां पर पर्यटन की बात करते हैं, लेकिन यहां की सच्चाई बरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक है। ये सब किसके राज में हो रहा है? 10 साल में मोदी जी ने क्या किया। आखिर कांग्रेस को कितना दोष देंगे। मोदी जी कहते हैं- कांग्रेस ने इतने वर्षों में कुछ नहीं किया। अगर कांग्रेस ने कुछ नहीं किया तो ये आआईटी, आईआईएम एआईएमएस, इसरो जैसे संस्थान देश में कैसे आए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि सब भ्रष्ट हैं, बस वही पाक-साफ है। खुद की तारीफ खुद ही करते हैं। ईडी, सीबीआई, आईटी का इस्तेमाल करके नेताओं को अपनी पार्टी में लाने और सरकार गिराने में इतने व्यस्त हैं कि रोजगार, महंगाई की बात भूल गए। फिर इलेक्टोरल बॉन्ड में खुलासा हुआ तो चंदा लो-धंधा लो वाली बात सामने आ गई। अब आप बताइए कि भ्रष्ट कौन है?

महाराष्ट्र के चुनावी रण में दोस्त बने दुश्मन और दुश्मन बने दोस्त

मुंबई। राजनीतिक दलों के टूटने और नए गठबंधन बनने के बीच महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिल रहे हैं जहां कभी सहयोगी रहे नेता प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं और प्रतिद्वंद्वी सहयोगी बन गए हैं। इसका एक उदाहरण गुरुवार को नांदेड़ में देखने को मिला जहां केंद्रीय मंत्री अमित शाह की रैली में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चह्वाण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रतापराव पाटील चिखलीकर ने मंच साझा किया। लातूर जिले के लोहा से अविभाजित शिवसेना के तत्कालीन विधायक चिखलीकर 2019 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और उन्होंने उसी वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गढ़ नांदेड़ से मौजूदा कांग्रेस सांसद अशोक चव्हाण को हरा दिया था। तब एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदर्श सोसायटी घोटाले को लेकर चह्वाण पर निशाना साधा था, जबकि तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा था कि चह्वाण एक डीलर हैं, नेता नहीं। चह्वाण इस साल फरवरी में भाजपा में शामिल हुए और राज्यसभा सदस्य बने। वह अब मराठवाड़ा क्षेत्र में चिखलीकर और अन्य भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे हैं।

वर्ष 2019 में मावल लोकसभा क्षेत्र में शिवसेना के श्रीरंग बारणे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को हराया था। अब वर्ष 2024 में अजित पवार और उनकी पार्टी राकांपा बारणे के लिए प्रचार कर रही है। बारणे अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हैं। अजित पवार अब राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं। कहा जाता है कि अजित पवार ने लोकप्रिय टेलीविजन और फिल्म अभिनेता अमोल कोल्हे को राकांपा में शामिल होने और 2019 में शिरूर लोकसभा क्षेत्र में मौजूदा शिवसेना सांसद शिवाजीराव अधलराव-पाटिल के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए राजी किया था। कोल्हे उस समय अविभाजित शिवसेना में थे और कोल्हे ने अधलराव पाटिल को हराया दिया था। कोल्हे अब शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गिनाए इंडिया गठबंधन के नेताओं पर लगे आरोप

आधे नेता जेल में और आधे जमानत पर बाहर : नड्डा

गोंदिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षियों को भ्रष्टाचारी बताते हुए कहा विपक्षी गठबंधन के आधे नेता जेल में और आधे जमानत पर बाहर हैं।

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, एक तरफ पीएम मोदी भ्रष्टाचारियों को सजा देने की बात करते हैं। वहीं, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन का कहना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाया जाना चाहिए। अब आपको चुनना है कि भ्रष्टाचारियों को बचाना है या उन्हें सजा मिलनी चाहिए। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पी चिदंबरम, लालू यादव और उनके दोनों बेटे क्या ये सब केवल जमानत पर नहीं हैं? अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन ये सब जेल में नहीं हैं? आधे जमानत पर हैं, आधे जेल में हैं।

जेपी नड्डा ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर जोर देते हुए कहा, कांग्रेस ने कोयला घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाला, पनडुब्बी घोटाला, चावल, चीनी, 2जी/3जी घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला किया। अखिलेश यादव ने लैपटॉप घोटाला और गोमती रिवर फ्रंट में भ्रष्टाचार किया। लालू यादव ने चारा घोटाला किया था। उन्होंने नौकरी के बदले जमीन के घोटाले में भ्रष्टाचार किया। ममता बनर्जी ने शिक्षक भर्ती घोटाला, पशु तस्करी घोटाला, रेत घोटाला किया।

गौरतलब है, हाल के दिनों में कई विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित आबकारी नीति घोटाले में गिरफ्तार किया था। बीआरएस नेता के. कविता को भी हाल ही में इस मामले में गिरफ्तार किया गया था।

जेपी नड्डा ने कहा, इंडी गठबंधन के पास देश के विकास का कोई एजेंडा नहीं है। इनका एक ही एजेंडा है- मोदी हटाओ, मोदी को गाली दो। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यभूमि महाराष्ट्र के गोंदिया में भारतीय जनता पार्टी के लिए यह उत्साह और प्रचंड समर्थन जनता-जनार्दन द्वारा अबकी बार- 400 पार का उद्घोष है। विपक्षी गठबंधन अपनी हार देखकर हताशा में हैं इसलिए वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। ये सिर्फ भ्रष्टाचारियों को और अपने परिवार को बचाने वालों का गठबंधन है। इनका काम सिर्फ घोटाला करना है।

उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा हर वर्ग का उत्थान करने के साथ हमारी विरासत व संस्कृति को सम्मान देकर देश को स्वाभिमान से परिपूर्ण किया है, इसलिए आज जन-जन मोदी जी के साथ है। नड्डा ने आगे कहा कि साल 2014 से पहले देश में आए दिन आतंकी घटनाएं होती थीं, घोटाले होते थे और नीतियां एयर कंडीशन कमरे में बना करती थी। पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने 10 साल विकास, सांस्कृतिक विरासत के उत्थान, किसानों को ताकत मिलने का काल देखा, महिलाओं के सशक्तिकरण और दुनिया में भारत को अग्रणी बनता देखा। भाजपा नेता ने कहा, हमारे विपक्षी दल बहुत घबराए हुए है, हताशा में हैं, निराशा में हैं, नए नए तरीकों से समाज को खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं। इंडी गठबंधन का जातीय जनगणना का मकसद देश को जातियों में बांटने का है।

खेल
प्रमुख समाचार

लखनऊ सुपर जाइंट्स और केकेआर में भिड़ंत आज

कोलकाता। दो बार की चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने गढ ईडन गार्डंस पर रविवार को आईपीएल के मैच में मयंक यादव के बिना उतर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। यह ईडन गार्डंस पर केकेआर का इस सत्र में पहला मैच है।

मेंटोर गौतम गंभीर को बखूबी पता है कि यहां होने वाले पांच मैच 2021 के बाद पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने के लिये निर्णायक साबित हो सकते हैं। दोनों टीमों ने तीन तीन जीत दर्ज की है जबकि पिछले दौर में पराजय का सामना करके आई हैं। केकेआर को वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण पर अत्यधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ साबित होगा। चेन्नई ने पिछले मैच में उसे सात विकेट से हराया। नारायण (27) और रसेल (10) बल्ले से नाकाम रहे । इन दोनों के जबर्दस्त फॉर्म के चलते तीन मैचों में 200 पार का स्कोर बनाने वाली केकेआर चेन्नई के खिलाफ नौ विकेट पर 137 रन ही बना सकी। ऊंगली की चोट के कारण नीतिश राणा यह मैच भी नहीं खेल सकेंगे। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर प्रभावित नहीं कर सके हैं और चार मैचों में 0, नाबाद 39, 18 और 34 रन बनाये। वेंकटेश अय्यर तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये और एकमात्र अर्धशतक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगाया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में वह तीसरे नंबर पर उतरे लेकिन पिछले दो मैचों में सातवें और पांचवें नंबर पर उतरे। रमनदीप सिंह ने भी प्रभावित नहीं किया। अंडर 19 विश्व कप 2022 विजेता अंगकृष रघुवंशी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 54 रन बनाये। पिछले मैच में नाकाम रहने के बाद वह अच्छी पारी खेलने को बेताब होंगे। मिचेल स्टार्क गेंदबाजी में नाकाम रहे हैं और उन्होंने पहले दो मैचों में 100 रन दे डाले।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

दाल के बढ़ रहे दाम, सरकार ने लिया स्टॉक का जायजा

नईदिल्ली। चुनाव का मौसम जारी है, जिसके बीच में दालों की कीमत ने सरकार का चैन छिन लिया है। दाल की बढ़ती कीमत के बीच सरकार के सामने इसे नियंत्रित करने की चुनौती बनी हुई है। इस बीच उपभोक्ता मामलों के सचिव ने इस संबंध में कई पक्षों के साथ मिलकर बैठक की है। बैठक में भंडार और दालों की उपलब्धता को लेकर जायजा लिया गया है। इसी बीच उपभोक्ता मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान भी जारी किया है। बयान के अनुसार दाल व्यापारियों समेत विभिन्न संबंधित पक्षों के साथ मिलकर उपलब्धता का जायजा लिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बैठक की है, जिसमें दाल उद्योग के प्रतिनिधि शामिल थे। केंद्र सरकार सभी राज्यों को भी निर्देश जारी किया है कि वो ट्रेडर्स द्वारा दालों के भंडार का साप्ताहिक आधार पर खुलासा सुनिश्चित करें। केंद्र सरकार ने पीली मटर दाल के स्टॉक की निगरानी करने का निर्देश दिया था।

भारत का कुल टोल संग्रह 64,810 करोड़ रु. तक पहुंचा

नई दिल्ली। भारत में कुल टोल संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 में 64,809.86 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। और सरकारी और उद्योग के अनुमानों को पार कर गया, क्योंकि व्यावसायिक गतिविधि में बढ़ोतरी हुई है। टोल वाले सड़कों में तेज बढ़ोतरी और नए फास्टैग यूजर्स को जोड़ने के कारण कुल टोल संग्रह वर्ष की शुरुआत में सरकार द्वारा निर्धारित 55,000 करोड़ रुपये के अनुमान को पार कर गया। फास्टैग रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग हैं जो वाहनों को जारी किए जाते हैं, जिससे टोल प्लाजा पर लेनदेन कैशलेस हो जाता है। पिछले पांच वर्षों में भारत का कुल टोल संग्रह लगभग 2.6 गुना बढ़ गया है, जो 2018-19 में 25,154.76 करोड़ रुपये से बढ़कर हुआ है।

मुंह के बल गिरे अनिल की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर में लगातार गिरावट आ रही है। शेयर में हाहाकार मचा हुआ है। निवेशकों में शेयर बेचने की होड़ लगी हुई है। इस सप्ताह रिलायंस इंफ्रा के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिलायंस इंफ्रा का शेयर बीते शुक्रवार को 20 फीसदी गिरकर 182 रुपये के नीचे पहुंच गया था। हालांकि कारोबार के अंत में यह 198.10 रुपये के स्तर पर गिरावट के साथ बंद हुआ था। यह शेयर पिछले तीन दिनों में 32 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। इसमें निवेश करने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिलायंस के शेयर में यह गिरावट सुप्रीम कोर्ट की ओर से आए एक फैसले के बाद आई है। अगर आपके पोर्टफोलियो में भी रिलायंस का ये शेयर है तो ये खबर आपके काम की है। निवेशकों को इस शेयर के आने वाले समय में और लुढ़ने की उम्मीद है। पिछले 5 दिनों में यह शेयर 31.72 फीसदी तक लुढ़क चुका है।

कई बैंक एफडी पर दे रहे शानदार रिटर्न

नई दिल्ली। अगर आप एफडी कराने की योजना बना रहे हैं तो आपको अलग-अलग बैंकों की ब्याज दरों की जानकारी कर लेनी चाहिए। हर एक बैंक की एफडी पर ब्याज दरें अलग-अलग होती हैं। देश के कई बैंक 3 साल की एफडी पर अपने ग्राहकों को बंपर ब्याज ऑफर कर रहे हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने सामान्य ग्राहकों को अलग-अलग अवधि के लिए 3.0 फीसदी से 7.10 प्रतिशत तक का ब्याज दे रहा है। वहीं सीनियर सिटीजन को बैंक 3.50 से 7.60 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को एफडी कराने पर 2.75 से 7.20 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.25 से 7.70 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। एचडीएफसी बैंक में लोगों को एफडी कराने पर तीन फीसदी से लेकर 7.25 प्रतिशत तक का ब्याज मिल रहा है।

नैनो का सपना पंच ने पूरा किया

संजय तिवारी

टाटा समूह के लिए जो काम नैनो नहीं कर पाई वह पंच ने कर दिखाया है। रतन टाटा नैनो के जरिए छोटी कारों की दुनिया में अपनी बादशाहत कायम करना चाहते थे इसलिए एक लाख वाली कार का सपना देखा था। लेकिन वह सपना ऐसा चकनाचूर हुआ कि कार व्यापार में टाटा समूह का मनोबल गिर गया।

लेकिन अब उसी समूह की टाटा पंच ने रतन टाटा के सपनों को पूरा कर दिया है। हालांकि यह न तो एक लाख की कार है और न ही इसे नैनो जैसे सस्ते प्रोडक्ट की तरह डिजाइन किया गया है। कीमत भी 7 से 10 लाख है और डिजाइन, मजबूती ऐसी कि इसे ग्लोबल एनकैप में 5स्टार मिले हैं। शायद यही कारण है कि यह कार भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गयी है।

हालांकि तकनीकी तौर पर टाटा समूह द्वारा इसे माइक्रो एसयूवी कहा जा रहा है और उसकी यह रणनीति पूरी तरह से सफल भी साबित हुई है। एंट्री लेवल कारों में पहले मारुति 800 और अब अल्टो से उकताये लोगों के लिए टाटा पंच एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरी है इसलिए बीते दो महीनों से वह देश की सबसे अधिक बिकने वाली चार पहिया गाड़ी बन गयी है।

भारत का कार बाजार अभी उतना विकसित नहीं है जितना अमेरिका, यूरोप, चीन या फिर जापान जैसे देशों का है। आज भारतीय कार बाजार में वोक्सवैगन, ऑडी, बीएमडब्लू, मर्सिडीज ही नहीं रोल्स रॉयस और बेन्टले भी मौजूद हैं और अपनी कारें बेंच रही हैं। लेकिन व्यापक तौर पर भारतीय कार बाजार पर मारुति सुजुकी का ही राज रहा है। भारत की टॉप टेन बिकनेवाली कारों की लिस्ट बनाइये तो इसमें पांच सात कारें

मारुति सुजुकी की ही मिलेंगी।

लेकिन पहले मारुति को चुनौती दी ह्युंडई ने और अब टाटा ने तो टॉप टेन लिस्ट में अपनी दो गाड़ियां खड़ी कर दी हैं। भारत की सबसे अधिक बिकनेवाली टाटा पंच के अलावा टाटा नेक्सॉन ऐसी दूसरी मिनी एसयूवी है जो भारत की टॉप टेन बिक्री वाली गाड़ियों में शामिल हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि टाटा ने ऐसा क्या किया कि उसने छोटी कार के जमे जमाये मार्केट में मारुति को चुनौती दे दी? इंडिका से कार बाजार में अपना सफर शुरु करनेवाले टाटा समूह ने 2017 में मार्केट के क्रेज को पकड़ते हुए सब फोर मीटर एसयूवी नेक्सॉन लॉन्च की थी। पहले साल तो यह गाड़ी सिर्फ 14 हजार बिकी लेकिन साल दर साल इसकी बिक्री रॉकेट की तरह बढ़ी। 2023 के फाईनेंशियल ईयर में टाटा ने रिकार्ड 1 लाख 70 हजार नेक्सॉन बेच दी। नेक्सॉन को मिली सफलता ने टाटा समूह को प्रेरित किया होगा कि वह इस मार्केट में और प्रयोग करे इसलिए 2021 में उसने नेक्सॉन से सस्ती और उससे छोटी माइक्रो एसयूटी टाटा पंच लॉन्च कर दी।

भारत सरकार द्वारा कारों पर कमरतोड़ टैक्स लगाया जाता है। चार पहिया गाड़ियों पर सर्वोच्च 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है जिसके कारण कार की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो जाती है। इसमें कुछ रियायत उन कंपनियों को मिलती है जो लंबाई में चार मीटर से कम या फिर 1500 सीसी से कम इंजन क्षमता वाली गाड़ी बनाते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा ऐसा संभवत इसलिए किया जाता है ताकि आम आदमी अगर गाड़ी खरीदना चाहे तो उससे उसी तरह टैक्स न वसूला जाए जैसा बड़ी गाड़ी खरीदनेवालों से वसूला जाता है। इसका फायदा उठाने की कोशिश वॉक्सवैगन, शेवर्ले, रेनॉ, निसान, ह्युंडई आदि कई कंपनियों ने की लेकिन जैसी सफलता मारुति को मिली हुई है वैसी किसी को नहीं मिली। लेकिन टाटा समूह ने रणनीतिक तौर पर बहुत सोच समझकर ही संभवत टाटा पंच को स्मॉल कार की बजाय माइक्रो एसयूवी के सेगमेन्ट के तहत लॉन्च किया जो भारतीय कार बाजार के लिए बिल्कुल नया था। माइक्रो एसयूवी को क्रॉसओवर सेगमेन्ट कहा जाता है जहां एंट्री लेवल हैचबैक सेगमेन्ट में ही आप एसयूवी जैसी ऊंची कार बनाते हैं। ह्युंडई की कैस्पर भी इसी सेगमेन्ट की कार है जो फिलहाल भारतीय बाजार में नहीं बेची जाती।

भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ में करिश्मा किया हैः सिंह

प्रधानमंत्री मोदी में कार्य करने की अद्भुत क्षमता है

रायपुर/बालोद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारतरत्न श्रद्धेय स्व. अटलजी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड राज्य के गठन पर चर्चा चल रही थी, तब यह प्रश्न खड़ा था कि इन राज्यों का विकास कैसे होगा? इनके पास इतने संसाधन कहाँ हैं? लोगों को के पास अपने राज्य को ऊँचाई देने और विकास करने के लिए जो कौशल होना चाहिए, वह छत्तीसगढ़ में कहां मिलेगा? परंतु 2003 के पहले विधानसभा चुनाव में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद लगातार 15 वर्ष तक छत्तीसगढ़ ने नित-नयी ऊँचाई की ओर बढ़ता रहा। भारत के किसी भी कोने से आने वाले व्यक्ति, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को पहले देखा है और आज देख रहे हैं, वह कहते हैं कि भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ में करिश्मा किया है। इतनी तेजी के साथ छत्तीसगढ़ का विकास हुआ है। श्री सिंह ने कहा कि भाजपा हिंदुस्तान की अकेली ऐसी पार्टी है जो राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए करती है। श्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले पाँच वर्षों में छत्तीसगढ़ में लूट, भ्रष्टाचार, अनाचार की सीमाएँ लांघ दी।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी में कार्य करने की अद्भुत क्षमता है। पहले दुनिया में भारत की धारणा अलग थी। पाकिस्तान पहले भारत को आँखें दिखाता था, लेकिन आज भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला देश है। आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को दुनियाभर के लोग ध्यान से सुनते हैं। आज दुनिया में भारत का मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ा है। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी पाँचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और 2029 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे राजनीतिक दल और कांग्रेस ने अब तक जितने वादे देशवासियों से किए हैं यदि आंशिक रूप से भी उन्हें पूरा कर दिया होता तो भारत वर्ष पहले ही दुनिया का धनवान देश बन गया होता, ताकतवर देश बन गया होता। भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा पत्र में किए अपने वादे को पूरा कर कश्मीर में धारा 370 को खत्म किया, अयोध्या में श्री राम मंदिर बनवाया, सीएए को लागू किया। भारत में राम राज्य का आगाज हो चुका है। राम राज्य का मतलब है कि व्यक्ति के अंदर कर्तव्य बोध पैदा हो। सिंह ने कहा कि भारत की राजनीति में पैदा हुए संकट को हमने चुनौती के रूप में स्वीकार किया। हम लोगों की यह धारणा रही है कि हर व्यक्ति का विकास हो, विकास के लिए उसके पास हर संसाधन होना चाहिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कोरोना काल की विभीषिका की चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान देश के 140 करोड़ लोगों को निःशुल्क वैक्सीनेशन कराया, गरीबों को प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत 5 किलो अतिरिक्त चावल दिया, जो अभी भी जारी है। श्री सिंह ने कहा कि आज कांग्रेस वाले कहते हैं कि चुनाव आते ही भाजपा ईडी-सीबीआई और आईटी को छापे मारने के लिए भेजती है। ईडी और आईटी का छापा उन्हीं लोगों के घर पड़ता है जो बड़े-बड़े घोटाले में शामिल होते हैं, भ्रष्टाचार में शामिल होते हैं। आज उनके कई नेता जेल में है। गरीबों के हक पर डाका डालने वाले लोगों को जेल तो होगी ही, इसके लिए भी घोटालेबाज तैयार हो जाएँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीबों को निःशुल्क 5 लाख रुपए तक स्वास्थ्य सेवा देते हुए मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की। हमारे देश की सेना भी आज मजबूत हुई है आज हमारी सेना सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक भी कर सकती है। भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि भारत दुश्मनों से इस पार भी लड़ सकता है और जरूरत पड़ी तो उस पार जाकर भी दुश्मनों को मार सकता है। श्री सिंह ने कहा कि आज भारत अंतरिक्ष में भी अपनी मजबूती दिख रहा है। आज चंद्रयान मिशन की सफलता ने देश के वैज्ञानिकों की सफलता और उनके कार्य कुशलता को बताया है। भारत का चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने वाला पहला चंद्रयान है। आज भारत का वैज्ञानिक सूर्य तक पहुंचाने की भी कोशिश कर रहा है। आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर है। जब रूस और यूक्रेन में भीषण युद्ध हो रहा था, तब भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने रूस एवं यूक्रेन के राष्ट्रीय अध्यक्षों से भारतीय नागरिकों को वहां से बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा चलाया और आज यूक्रेन में फंसे लोगों को देश वापस लाया गया। उन्होंने कांकेर प्रत्याशी भोजराज नाग की जीत का आशीर्वाद जनता से माँगा।

मोदी की गारंटी और योजनाएं छग के साथ पूरे देश में घर-घर तक पहुंच रही है :देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में सरकारों का आना-जाना बना रहता है लेकिन पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस की कार्य करने की योजना से छत्तीसगढ़ को लूट, भ्रष्टाचार, अनाचार की सीमाएं लांग दी। जनता ने बहुत विश्वास किया था 70 से भी ज्यादा विधायक चुन कर विधानसभा भेजा लेकिन जिस तरीके से जनता के साथ कांग्रेस ने विश्वासघात किया। वही भाजपा की केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार की गारंटी और योजनाएं छत्तीसगढ़ के साथ पूरे देश में घर-घर तक पहुंच रही है। सभी को मालूम है कि आजादी के बाद 60 साल से भी ज्यादा समय तक कांग्रेस की सरकार रही और कांग्रेस का हाथ मजबूत होता गया और गरीब और गरीब बनते चले गए। 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं से देश को समृद्ध बनाने के लिए काम किया है और देशवासियों का मान सम्मान पूरे विश्व के मानचित्र में बढाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जब दूसरे देश में जाते हैं तो दूसरे देश के प्रधानमंत्री उनसे मिलने के लिए आतुर रहते हैं कोई तो मोदी जी के पैर छूकर भारतीय संस्कृति को बढाया। ऐसी कई योजनाएं हैं जिनको जनता तक पहुंचाना भाजपा का कार्य है। बिना भेदभाव के जाति, धर्म, संप्रदाय के सभी वर्गों के लिए योजना बनाई गई है और जन कल्याणकारी योजनाओं के चलते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश के लोगो के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहे है। नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनानी है। 5 वर्षों की कांग्रेस की भ्रष्टाचार करने वाली सरकार और वहीं दूसरी ओर अपने 90 दिन के कार्यकाल में ही मोदी की गारंटी को पूरा करने वाले विष्णु देव साय की सरकार है।

प्रदेश अध्यक्ष ने राहुल से पूछे सवाल

क्या अपने दौरे के पूर्व मोदी को गाली देने के लिए कांग्रेस नेताओं को दिया है टॉस्क

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने राहुल गांधी से तीखे सवाल करते हुए कहा कि क्या अपने दौरे से पूर्व राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को गाली देने और मारने जैसे बयान देने के लिए कांग्रेस के नेताओं को अप्रत्यक्ष तरीके से टॉस्क दिए थे। जिस तरीके से राहुल गांधी के बस्तर दौरे से पूर्व कांग्रेस के नेताओं ने श्री मोदी जी पर लगातार अशोभनीय टिप्पणी कर रहे थे उससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि कांग्रेस के नेताओं को पीएम मोदी को गाली देने के लिए कहा गया था। कांग्रेस के इंडी दल के नेता भी राहुल की भाषा में पीएम मोदी को बार-बार अपमानित कर रहे हैं, जो एक सभ्य राजनीतिक शुचिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था की श्रेणी में नहीं आता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि बस्तर से कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा ने राहुल के दौरे के पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा था कि कवासी लखमा जीतोड़, नरेंद्र मोदी ढोलतोर। यानी कवासी लखमा जीतेगा और नरेंद्र मोदी मरेगा, खेल खत्म, राम-राम। राहुल गांधी बताएं क्या इस बयान पर आपकी रजामंदी थी। क्या कांग्रेसी अपनी हार से इतना मानसिक संतुलन खो चुके हैं कि लखमा पुलिस वालों को भी धनुष तीर मारने के लिए कहते हैं। क्या यही है आपके कांग्रेस की मुहब्बत की दुकान है, जहां से सिर्फ नफरत बांटा जाता है। कांग्रेस अब वामपंथी विचाराधारा को अपना चुकी है। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने राजनांदगांव में एक सभा के दौरान प्रधानमंत्री के सिर फोड़ने का बयान दिया है। इस बयान को लेकर उपजे जनाक्रोश के चलते भूपेश बघेल ने महंत के बयान के अर्थ के मायने बताकर उसे सही ठहराने लगे। जबकि महंत के इस बयान को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने गंभीरता से लेने के बजाए पीएम मोदी को गाली देने की मौन स्वीकृति दे दी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि पीएम मोदी के सिर फोड़ने वाले बयान के बाद हाल ही में चरणदास महंत ने फिर मोदी की गारंटी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिफाल्टर तक कह दिया। ऐसे में अब छत्तीसगढ़ की जनता यह समझ रही है कि प्रधानमंत्री को बार-बार अपमानित करने के लिए राहुल गांधी ने ही कहा है। इसलिए कांग्रेस के नेता अशोभनीय बातें प्रधानमंत्रीी नरेंद्र मोदी के बारे में कह रहे हैं। राहुल गांधी को शायद यह नहीं दिखाता है कि कांग्रेस की भूपेश सरकार के प्रति नाराजगी कैसे इनके खुद के नेताओं में हैं। कांग्रेस के नेता ही अपने ही संगठन और भूपेश बघेल पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी आंख मूंदकर सिर्फ प्रधानमंत्री पीएम मोदी को गाली देने और दिलावने के काम में व्यस्त हैं।

राहुल गांधी अपने भारत जोड़ों और न्याय यात्रा में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अशोभनीय टिप्पणी ही करते रहे हैं। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो और न्याय यात्रा के जरिए देश में नफरत का जहर घोलने का काम किया। राहुल गांधी ने तो मोदी के ओबीसी नहीं होने के अलावा तमाम अभद्र टिप्पणी की थी, आज भी राहुल जी पीएम मोदी को गाली देने और अपमानित करने मिशन को कांग्रेसी नेताओं के जरिए यहां छत्तीसगढ़ में जारी रखा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि राहुल गांधी आज अपनी न्याय यात्रा में देश में नफरत फैलाने के बाद अब अपने चुनाव प्रचार में भी पीएम मोदी को लेकर दुष्प्रचार करने में लगे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी आज फिर अपने झूठे न्याय पत्र के जरिए केंद्र की सत्ता में काबिज होना चाहते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता अब कांग्रेस के झूठ के पुलिंदे न्याय पत्र पर भरोसा नहीं करने वाली है। क्योंकि जनता समझ चुकी है कि पहले कांग्रेस झूठे वादे कर वोट लेती है फिर सत्ता पर काबिज होकर जनता को ठगने और झांसा देती है। कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश की सरकार में अनगिनत घोटाले और भ्रष्टाचार को कांग्रेसियों ने अंजाम दिया है।

रास्ते में लैंडमाइन बिछाकर हासिल नहीं हो सकता बस्तर के विकास का लक्ष्य : विजय शर्मा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि लैंडमाइन बिछाकर बस्तर के विकास का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। सचमुच ही माओवादी अगर बस्तर के विकास और खुशहाली के पक्षधर हैं तो उन्हें बारूद और बंदूक का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर यकीन करना होगा । आज बस्तर नक्सलियों के बिछाए गए लैंडमाइन से लहू-लुहान है । विनाश छोड़कर उन्हें विकास का रास्ता अपनाना ही होगा। उपमुख्यमंत्री बीजापुर मे आईडी ब्लास्ट से एक मजदूर की मौत व एक अन्य के घायल होने की घटना पर चिंता व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने घायल का समुचित इलाज कराए जाने का आश्वासन दिया।

12 अप्रैल को जिला बीजापुर के थाना गंगालूर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुमरी पालनार (थाना से लगभग 17 किमी. पूर्व दिशा) में लगभग

12,00 बजे पुलिया निर्माण कार्य में लगे मजदूर मुन्ना भारती (उम्र 52 वर्ष) ग्राम छोटेदेवड़ा, थाना बकावंड, जिला बस्तर के आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से दोनो पैर गंभीर रूप घायल हो गया था। जिसे उपचार हेतु नेलसनार हास्पिटल लाया जा रहा था, रास्ते में ही मृत्यु हो गई। जिसका पोस्टमार्डम नेलसनार में कराया जा रहा है। उक्त घटना में 01 और मजदूर दिनेश कश्यप पिता अमल साय कश्यप उम्र 31 वर्ष निवासी छोटेदेवड़ा विकासखंड बस्तर जिला बस्तर के बायीं कॉन में सुनाई नहीं दे रहा हैं। मजदूर का ईलाज मिरतूर अस्पताल में चल रहा है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि मैं फिर दोहरा रहा हूं कि आईईडी नहीं पहचानता कि इस पर पैर रखने वाला कौन है, इसका शिकार बड़ी संख्या में बस्तर के आदिवासी भाई और मवेशी हो रहे हैं। लगातार द्वद्दस्त्र ब्लास्ट की घटनाएं हो रही हैं , जो सरकार के साथ हर उस व्यक्ति के लिए चिंता का विषय है जो लोकतान्त्रिक मूल्यों की परवाह करता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.